डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 75 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 22 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## भारत का अनोखा मंदिर जहां दरवाजे से नहीं होते दर्शन

### प्रसाद भी नहीं दिया जाता हाथ में,यहां की अलग ही है परंपरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उडुपी में मौजूद श्री कृष्ण मंदिर भक्तों के लिए अस्था का प्रतीक है। साथ ही यहां मनोकामना पूरी होने पर भक्त सबसे ज्यादा दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर की अनोखी बात यह है, यहां भगवान श्री कृष्ण के दर्शन एक छोटी खिड़की से होते हैं, जिसे 'कान्हा की खिड़की' भी कहते हैं। उडुपी को भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए पवित्र स्थान माना जाता है, जैसे मथुरा है उसी तरह ये जगह है। उडुपी का कृष्ण मंदिर कृष्ण भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है, हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां कृष्ण के दर्शन करने और पूजा करने के लिए पहुंचते

हैं। मंदिर में भगवान कृष्ण की सबसे सुंदर मूर्ति मानी जाती है, इसमें वे बचपन के रूप बालकृष्ण के रूप में विराजमान हैं। मंदिर में कोई भी सीधा मूर्ति के दर्शन नहीं कर सकता। भगवान कृष्ण के दर्शन यहां 9 छिद्रों वाली एक छोटी खिड़की से किए जाते हैं। ये मंदिर अपने आप में ही बहुत ही अनोखा और रोचक माना जाता है। माना जाता है भगवान ने अपने एक भक्त की भक्ति से खुश होकर ये खिड़की बनवाई थी, जिससे हर कोई उनके दर्शन कर सके। ये मंदिर 13वीं शताब्दी में श्री माधवाचार्य द्वारा स्थापित हुआ था और तब से ये दक्षिण भारत के सबसे फेमस और पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है। जन्माष्टमी के मौके पर इस मंदिर की सजावट देखने लायक रहती है।

## कर्नाटक में कश्मीरी छात्र से हुई रैगिंग और मारपीट

### सीएम अब्दुल्ला ने सिद्धारमैया को लिखी चिट्ठी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बीजापुर में अल-अमीन मेडिकल कॉलेज में कश्मीर के रहने वाले एमबीबीएस सेकेंड ईयर के स्टूडेंट के साथ रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। मामले में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया को चिट्ठी लिखकर कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी देते हुए जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने बताया कि पीड़ित स्टूडेंट हामिम कश्मीर के अनंतनाग का रहने वाला है। संघ के मुताबिक 18 फरवरी शाम 4 बजे कॉलेज के 2019 और 2022 बैच के स्टूडेंट्स के बीच क्रिकेट मैच हो रहा था। हामिम मैच देखने गया था, उसी दौरान उससे बदसलूकी और मारपीट की गई।

## डल्लेवाल ने किसान संगठनों को एकजुट होने का दिया संदेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्र सरकार और आंदोलनकारी किसानों के बीच छठे दौर की बैठक 22 फरवरी को शाम छह बजे चंडीगढ़ में होगी। बैठक को लेकर केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक पत्र जारी कर दिया गया है। उधर, खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन 87वें दिन में प्रवेश कर गया है। वहीं, मीटिंग से पहले डल्लेवाल ने एक संदेश जारी कर सभी संगठनों को एकजुट होने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अब बहुत आगे पहुंच चुकी है। इसको जीतने के लिए एकता की जरूरत है। वहीं, उनके सभी संगठनों को एकता के लिए पत्र भी लिखा है। 27 फरवरी को चंडीगढ़ में बैठक होगी। डल्लेवाल ने करीब सात मिनट का संदेश जारी किया है।

## बंगाल में परिवार की सारी महिलाओं ने खाया जहर

### मर्दों ने भी की कोशिश

कोलकाता (एजेंसी)। पुलिस ने टांगरा इलाके में एक परिवार की तीन महिलाओं की संदिग्ध हालत में मौत और तीन पुरुष सदस्यों के एक्सीडेंट में घायल होने की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस का कहना है कि यह परिवार बिजनेस में नुकसान के बाद आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उनके ऊपर कर्ज चुकाने का दबाव था, इसलिए उन्होंने प्लान बनाकर एक साथ जान देने की कोशिश की। सभी ने पहले खीर के

साथ नींद की गोली खाई। इसके बाद महिलाओं ने खुद को नुकसान पहुंचाकर जान दे दी जबकि पुरुष सदस्यों ने कार एक्सीडेंट के जरिये खुद को मारने का प्रयास किया। हालांकि पीड़ितों के रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। टांगरा के अटल सुर लेन में प्रणय डे अपनी पत्नी सुदेष्णा और बेटे प्रतीप डे के साथ रहते थे। चार मंजिल की इमारत में उनके छोटे भाई प्रसून कुमार डे भी पत्नी रोमी और बेटी प्रियंवदा के साथ रहते थे। डे परिवार 25 साल पहले क्रिस्टोफर रोड से टांगरा शिफ्ट हुआ था।

## अश्लीलता रोकने के लिए अब आएगा डिजिटल इंडिया बिल

### केंद्र सरकार की बड़ी तैयारी, 15 महीने से कर रहा काम

### सोशल मीडिया कंटेट पर भी रखेगी नजर, बड़ा है प्लान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने पर काम कर रही है। नए कानून में यू ट्यूबर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स को रेगुलेट करने के प्रावधान रहेंगे। डिजिटल इंडिया बिल पर केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा है। अलग-अलग क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रावधान वाले कानून बनाए जाएंगे। जैसे दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण संबंधी विषयों के लिए अलग-अलग प्रावधान रखे जाएंगे। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गवर्नेंस की भी व्यवस्था हो। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया के विवाद के चलते सरकार डिजिटल इंडिया बिल की ओर वापसी कर रही है। हालांकि, एआई गवर्नेंस इससे अलग रखने का फैसला किया है। इसके लिए पूरी तरह अलग नियमन की जरूरत है। सरकार के सामने तुरंत की बाध्यता सुप्रीम कोर्ट को संतोषजनक जवाब देने की है कि आईटी एक्ट की खामियां दूर करने के लिए क्या किया जा रहा है। आईटी मामलों पर संसदीय समिति ने भी अश्लील कंटेंट पर अंकुश के लिए सरकार से जवाब मांग रखा है। आईटी एक्ट साल 2000 में बना था, तब 60 लाख नेट यूजर थे, अब 90 करोड़ आईटी एक्ट, 2000 पुराना हो चुका है। यह बना तब देश में इंटरनेट यूजर 60 लाख तक थे। अब 90 करोड़ से ज्यादा हैं। संसदीय समिति ने हाल में अश्लील व फूहड कंटेंट पर सरकार से पूछा था कि आईटी एक्ट में ऐसे कंटेंट को लेकर क्या प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी मुद्दे पर घेरा है।

## नीतिश की 'पिच' पर बीजेपी का 'खेला'

**पटना (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक वैभव और मुगल से संघर्ष के प्रतीक महापुरुष शिवाजी को चुनावी धार पर चढ़ा डाला। बिहार विधानसभा जंग की फतह को लेकर सक्रिय भाजपा इस चुनाव में बाजी दर बाजी चल रही है। शिवाजी की जयंती के बहाने भाजपा की एक कोशिश अपने आधार वोट को पुख्ता करने की भी हो रही है। भाजपा ने इस उद्देश्य को ध्यान में रख कर शिवाजी को कुर्मी फोल्ड में कर एक तरह से नीतिश कुमार के आधार वोट में सेंधमारी की कोशिश भी कर डाली है।

## आप महाकुंभ जाएंगे, राहुल गांधी तत्काल बोले-नमस्कार

- कांग्रेस नेता ने रायबरेली में की हनुमान मंदिर में पूजा
- छात्रों से कहा-देश में हर दिन कानून को तोड़ा जा रहा

**रायबरेली (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुरुवार को रायबरेली पहुंचे। सबसे पहले बछरावां में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कहा- बीजेपी ने जीएसटी और नोटबंदी कर देश में बेरोजगारी बढ़ाई है। केंद्र सरकार ईमानदारी से काम करे, तो करोड़ों युवाओं को रोजगार मिल सकता है। महाकुंभ जाने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा- नमस्कार और आगे बढ़ गए। इससे पहले राहुल गांधी सुबह 10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क के रास्ते रायबरेली पहुंचे। यहां हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद राहुल गांधी मूल भारती छात्रावास पहुंचे, यहां छात्रों से सवाल-जवाब किए। छात्रों से कहा- देश में हर रोज कानून तोड़ा जा रहा है। इसलिए आपकी बात सुनने और समझने आया हूं। इससे पहले राहुल गांधी 5 नवंबर, 2024 को रायबरेली आए थे।

वहीं, लोकसभा चुनाव यानी सांसद चुने जाने के बाद राहुल का रायबरेली का यह 5वां दौरा है। राहुल गांधी ने कहा, विचारधारा आप की है, संविधान आप ने दिया, मगर जहां भी आप जाते हो आप को कुचला जाता है।

## रेखा गुप्ता की 'शपथ', शीशमहल में नहीं रहूंगी

### बनीं दिल्ली की 9वीं सीएम, प्रवेश वर्मा समेत बनाए गए 6 मंत्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में आज से 'रेखा सरकार'। शालीमार बाग सीट से पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता (50 साल) ने गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ली। शपथ के साथ ही उन्होंने यह ऐलान किया कि वह अरविंद केजरीवाल वाले शीशमहल में नहीं रहेंगी। वह दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला सीएम बन गई हैं। रेखा से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी मुख्यमंत्री रहीं। इस समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह के अलावा बीजेपी शासित 21 राज्यों के सीएम, डिप्टी सीएम भी मौजूद रहे। आप नेता अरविंद केजरीवाल और आतिशी शपथ में नहीं पहुंचे। प्रवेश वर्मा समेत

6 मंत्रियों ने भी शपथ ली रेखा के अलावा 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह शामिल है। दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम आए। इसके अलावा पीएम मोदी, दिल्ली के उपराज्यपाल, सीएम रेखा गुप्ता और उनका मंत्रिमंडल मंच पर मौजूद रहा। शपथ के साथ ही सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी।

### प्रवेश वर्मा दिल्ली के डिप्टी सीएम, कई विभाग मिले

दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ के 4 घंटे के बाद ही मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया गया। सीएम रेखा गुप्ता ने गृह और वित्त मंत्रालय अपने पास रखा है। अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट से हराने वाले प्रवेश वर्मा को डिप्टी सीएम बनाया गया है। उन्हें शिक्षा, परिवहन और पीडब्ल्यूडी की जिम्मेदारी दी गई है। प्रवेश सीएम की रेस में सबसे आगे चल रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार में रोहिणी से चौथी बार जीते वरिष्ठ भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता को विधानसभा स्पीकर और मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है।

## महाकुंभ में अब सभी रास्तों से मिलेगी एंट्री

### खत्म हुआ रेलवे का इमरजेंसी प्लान,चल रहा आखिरी सप्ताह

**प्रयागराज (एजेंसी)।** प्रयागराज में महाकुंभ पर उमड़ रही भारी भीड़ को देखते हुए पिछले चार दिनों से रेलवे ने इमरजेंसी प्लान लागू कर दिया था, जिसके कारण शहर में कई प्रमुख मार्ग बंद कर दिए गए थे। अब रेलवे का इमरजेंसी प्लान खत्म कर दिया गया है, जिसके बाद पुलिस ने इन मार्गों को फिर से खोल दिया है। जानसेनगंज से लीडर रोड और जोगीवीर चौराहे से स्टेशन जाने वाले रास्ते पूरी तरह से अवरुद्ध थे। जिसके चलते रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

भीड़ बढ़ने पर पुलिस और रेलवे ने इमरजेंसी प्लान लागू कर दिया था जिसके तहत जानसेनगंज चौराहे से श्रद्धालुओं को लीडर रोड की तरफ जाने से रोका गया और उन्हें चौक की ओर डायवर्ट कर दिया गया था।

इससे श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा था। वहीं लीडर रोड और जंक्शन के पास रहने वाले लोग भी

अपने घरों में कैद हो गए थे, दूसरी ओर से भी निकलने का रास्ता बंद कर दिया गया था। बुधवार सुबह शहर के कई इलाकों में ब्लॉक हटा दिया गया। रेलवे ने आपातकालीन प्लान को बंद कर खुसरोबाग की जगह सीधे स्टेशन परिसर में एंट्री देना शुरू कर दिया है।

## हाईकोर्ट जजों के खिलाफ लोकपाल जांच, सुप्रीम कोर्ट की रोक

- एससी ने कहा-यह बहुत परेशान करने वाला, केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय एस ओका की बेंच ने गुरुवार को मामले पर खुद सुनवाई की और कहा कि यह बहुत परेशान करने वाली बात है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, लोकपाल रजिस्ट्रार, शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। तब तक जजों के नाम और शिकायत का खुलासा नहीं करना है। आरोप- कंपनी के पक्ष में फैसले के लिए जजों से सिफारिश की दरअसल, लोकपाल ने 27 फरवरी को एक आदेश जारी कर हाईकोर्ट के एक मौजूदा एडिशनल जज के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की बात कही थी। लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट का जज लोकपाल अधिनियम की धारा 14 (1) (ए) के दायरे में एक व्यक्ति के रूप में योग्य होगा। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसला दिया है।

## 9 लाख आउटसोर्स कर्मियों की सैलरी बढ़ाने का ऐलान

### छात्राओं को फ्री स्कूटी मिलेगी, 92 हजार को नई नौकरी

### छुट्टा पशुओं की समस्या खत्म करने का भी किया ऐलान

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी की योगी सरकार ने गुरुवार को 2025-26 का बजट पेश किया। इस बजट में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की झलक देखने को मिली। योगी ने बजट 'सनातन को समर्पित' बताया। कहा- योजनाओं में 'वंचित को वरीयता' दी जाएगी। सरकार ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय में धांधली रोकने के लिए बड़ा फैसला लिया है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए सेवा निगम बनेगा। न्यूनतम मानदेय 20 हजार रुपए दिया जाएगा। ये पैसे सीधे अकाउंट में आएंगे। अभी तक उन्हें 16 हजार रुपए मिल रहे थे। प्रदेश में इस समय करीब 9 लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं। छुट्टा पशु पर सरकार का ध्यान है। बजट में मध्यप्रदेश-राजस्थान की तर्ज पर पहली बार 12वीं के रिजल्ट में अच्छे नंबर लाने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं को फ्री में स्कूटी देने का ऐलान किया गया है। इसमें यूपी बोर्ड के अलावा सीबीएसई को भी शामिल किया जाएगा। 400 करोड़ का बजट तय किया है।

# रॉयल पत्रिका

# संपादकीय

## अमेरिकी सहायता का सच, कहां और कैसे हुआ उपयोग ?

इसकी जांच आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि भारत में मतदान बढ़ाने के नाम पर अमेरिकी सहायता किसे मिली और उसका उपयोग कहां एवं कैसे हुआ? इसकी आवश्यकता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि पहले एलन मस्क ने इस पर आपत्ति जताते हुए उसे रोकने की घोषणा की, फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उसे भारत में सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से इस्तेमाल किए जाने का संदेह जताया और फिर यह भी कह दिया कि वह एक तरह की दलाली थी।

यह कहकर उन्होंने बाइडन प्रशासन और वित्तीय सहायता देने वाली सरकारी एजेंसी यूएसएड को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। एलन मस्क पहले ही इस एजेंसी को आपराधिक संगठन कह चुके हैं।

हालांकि ट्रंप ने यह तो कहा कि मतदान बढ़ाने के नाम पर दी गई अमेरिकी सहायता के बारे में भारत को बताना होगा, लेकिन पता नहीं कि वह ऐसा करते हैं या नहीं? यह संदेह इसलिए, क्योंकि कुछ भी कहकर सनसनी मचाना उनकी आदत है।

इसे देखते हुए विदेश मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस मामले की जांच इस तरह हो कि दूध का दूध और पानी का पानी हो। ऐसा इसलिए भी होना चाहिए, क्योंकि यूएसएड से मिली सहायता को लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं।

किसी की ओर से यह कहा जा रहा है कि 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी सहायता प्रस्तावित थी, किसी का निष्कर्ष है कि वह आ गई थी। कोई यह कह रहा है कि उक्त वित्तीय सहायता भारत नहीं, बांग्लादेश को दी गई और कोई यह कि पैसा किसी अन्य अमेरिकी जांच एजेंसी के जरिये भारत ही आया। इस सिलसिले में उन जॉर्ज सोरोस की संस्था का नाम आ रहा है, जो भारत समेत अन्य देशों में हस्तक्षेप के लिए कुख्यात हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने यह माना है कि यूएसएड की ओर से वित्त पोषित एक अमेरिकी संस्था से चुनाव आयोग का समझौता हुआ था, लेकिन उन्होंने वित्तीय मदद मिलने से इन्कार किया। ऐसे में यह प्रश्न और अधिक गहरा जाता है कि आखिर सच क्या है? आशा की जानी चाहिए कि विदेश मंत्रालय की ओर से इस मामले की गहन जांच की जाएगी। यह जांच होने के साथ ही यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि देश में जो भी विदेशी सहायता आए, वह भारत सरकार के जरिये आए और इसकी निगरानी हो कि वह किस मद में खर्च हो रही है?

# मोदी-शाह नए चेहरों को ही CM क्यों बनाते हैं, क्या इससे BJP को नुकसान होगा

रेखा गुप्ता को दिल्ली का CM बनाकर BJP ने अपनी एक रवायत कायम रखी। वो रवायत है- नए और कम चर्चित चेहरों को CM बनाकर चौंकाना। BJP आलाकमान ने पिछले 11 सालों में कम से कम 13 राज्यों में ऐसा किया। इसमें MP में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा और हरियाणा में नायब सिंह सैनी शामिल हैं।

2014 लोकसभा चुनाव में BJP की प्रचंड जीत के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष। यहीं से BJP में एक नए युग की शुरुआत मानी जाती है।

लोकसभा चुनाव के 5 महीने बाद अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव हुए। दोनों राज्यों में BJP को जीत मिली।

हरियाणा में BJP ने राम बिलास शर्मा, कैप्टन अभिमन्यु, ओम प्रकाश धनकड़ और अनिल विज जैसे पुराने और चर्चित नेताओं की बजाय मनोहर लाल खट्टर को CM बनाकर BJP ने चौंका दिया। इसी पैटर्न पर महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस CM बनाए गए।

यहां से शुरू हुई रवायत एक-दो अपवाद छोड़कर लगातार जारी है और इसमें सबसे लेटेस्ट नाम दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का जुड़ा है। वो पहली बार विधायक बनी हैं और सीधे मुख्यमंत्री बना दी गईं, जबकि होड़ में प्रवेश वर्मा जैसे चर्चित नेता भी थे। प्रवेश वर्मा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे और दिल्ली के

बड़े जाट नेता हैं।

2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में BJP की जीत के बाद केशव प्रसाद मौर्य को CM बनाने की हवा तेज थी। वो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी थे। इसके अलावा मनोज सिन्हा के नाम की भी चर्चा थी, लेकिन ऐन मौके पर योगी आदित्यनाथ के नाम का ऐलान कर दिया गया।

2023 में मध्य प्रदेश में BJP ने चुनाव जीतने के बाद BJP ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया, जबकि शिवराज 15 साल से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। CM के नाम का ऐलान होने से ठीक पहले की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें मोहन यादव पीछे कहीं बैठे दिख रहे थे।

2023 चुनाव के बाद यही पैटर्न राजस्थान में दिखा, जब वसुंधरा राजे जैसी कद्दावर नेता की जगह पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को CM बनाया गया। इसी साल छत्तीसगढ़ में CM बने विष्णुदेव साय भी अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरे थे। 2024 में हरियाणा चुनाव से कुछ महीने पहले BJP ने अचानक मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को CM बना दिया। जबकि अनिल विज जैसे नेता कतार में थे।

2014 चुनाव से पहले BJP के प्रधानमंत्री पद के दावेदारों पर मंथन चल रहा था तो PM मोदी के अलावा शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे जैसा नेता भी कतार में थे। यानी ये दोनों नेता तब तक नरेंद्र मोदी के समकक्ष थे।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट रशीद किदवई के मुताबिक जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हाईकमान ने कमल का फूल उन्हीं के हाथों में दे दिया है। देशभर में चुनाव कहीं भी हो और किसी भी तरह का हो, BJP का मतलब मोदी ही होता है। इस स्ट्रेटजी को सारी विपक्षियां पार्टी मिलकर भी नहीं तोड़ पातीं।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट अमिताभ तिवारी के मुताबिक 2014 के बाद जितने भी राज्यों में BJP जीती, उसकी दो कैटेगरी हैं।

पहली- जिन राज्यों में पहले से BJP सरकार थी और फिर सरकार आई। जैसे- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़। इन राज्यों में एस्टैब्लिश लीडरशिप थी। लेकिन ये लीडर्स या तो बहुत लंबे समय से CM थे या तो अपने राजनीतिक करियर के पीक पर या ढलान पर थे। BJP ने जनरेशन शिफ्ट किया है। इसमें चौंकाने वाली बात नहीं थी।

दूसरी- हरियाणा, असम, त्रिपुरा जैसे राज्य जहां BJP की सरकार पहले से नहीं थी। वहां नाम चौंकाने वाले कह सकते हैं, लेकिन वहां लीडरशिप और कद्दावर नेता थे ही नहीं। असम में पहले BJP ने सर्बानंद सोनोवाल को CM बनाया जो AGP से आए थे फिर हिमंत बिस्वा सरमा को CM बनाया जो कांग्रेस से आए थे।

नए चेहरों को कमान देने के कुछ और फैक्टर्स भी हो सकते हैं...

अभय कुमार दुबे के मुताबिक, 'PM मोदी से पहले पार्टी का कोर वोट बैंक ज्यादातर अपर कास्ट और बनिया माना जाता था। नई लीडरशिप से जातीय समीकरण भी साधा जा रहा है। 2009 में BJP का OBC वोट प्रतिशत 18.6% था, जो 2014 में बढ़कर 37.6% हो गया। 2019 में 44% और 2024 में लगभग बराबर था। वहीं, 2019 में BJP को SC-ST के 16.7% वोट मिले, जो 2024 में बढ़कर 20.8% हो गए।

रशीद किदवई के मुताबिक, 'BJP ने बड़े राज्यों में नए चेहरों के साथ उनकी जमीनी ताकत, अन्य विधायकों का समर्थन और मजबूत पकड़ भी देखी। इन राज्यों में नए चेहरों को CM बनाने से पार्टी को आने वाले चुनावों में फायदा मिलने की उम्मीद है।

BJP ये संदेश देना चाहती है कि पार्टी में हर कार्यकर्ता अहम है। यहां कोई बड़ा छोटा नहीं। किसी को कभी भी मौका मिल सकता है।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट रशीद किदवई कहते हैं, 'PM मोदी, इंदिरा गांधी का समय दोहरा रहे हैं। 1970 और 1980 के दशक में जिस तरह इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री बनते ही सारे समकक्ष नेताओं को पीछे कर दिया था, नरेंद्र मोदी भी बिल्कुल वैसा ही कर रहे हैं। इंदिरा गांधी के दौर में मुख्यमंत्री की कुर्सी 'म्यूजिकल चेयर' बन गई थी। मुख्यमंत्री आते थे, उस पर बैठते थे और चले जाते थे, लेकिन उससे कांग्रेस की जड़ें खोखली हो गईं।'

जाने-माने कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण ने 40 साल पहले एक चर्चित कार्टून भी बनाया था, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चुनाव से जुड़ा था। इसमें एक लाइन में कई नेता उस वक्त की PM इंदिरा गांधी के अभिवादन के लिए खड़े हैं। उन्हीं में से किसी और चुनकर इंदिरा गांधी कहती हैं, 'अब आप नए मुख्यमंत्री हैं, आपका नाम क्या है?'

1980 में जब इंदिरा गांधी दूसरी बार प्रधानमंत्री बनीं तो उन्होंने कई राज्यों में छोटे कद के नेताओं को CM बनाना शुरू कर दिया। कर्नाटक में गुंडू राव, महाराष्ट्र में एआर अंतुले, राजस्थान में जगन्नाथ पहाड़िया और मध्य प्रदेश में अर्जुन सिंह जैसे नए चेहरों पर दांव लगाया।

रशीद किदवई कहते हैं, 'इंदिरा गांधी ने तानाशाही वाली सरकार चलाई, जिसके 30 साल बाद बहुत बुरे नतीजे देखने को मिले। 2014 के बाद से कांग्रेस केंद्र समेत लगभग सभी राज्यों से साफ हो गई। यही हाल BJP का भी हो सकता है। इन दिनों BJP का मतलब मोदी ही है। PM मोदी ने जो कह दिया वो पत्थर की लकीर हो गया।'

अभय दुबे का कहना है, 'कांग्रेस के उदाहरण की BJP के मौजूदा हाल से तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि कांग्रेस के पास संघ जैसा कोई संगठन नहीं था। कांग्रेस में जो प्रधानमंत्री कह देता था, पार्टी को वो मानना पड़ता था। फिर चाहे इंदिरा गांधी हों, राजीव गांधी हों या नरसिम्हा राव। लेकिन अब कैप्चरिंग की जद्दोजहद दो संगठनों के बीच है- एक संघ और दूसरी BJP। दोनों के बीच कंट्रोल और कैप्चरिंग का कॉम्पिटिशन है। अभी सत्ता नरेंद्र मोदी के पास है, लेकिन हस्तक्षेप संघ का होता है।'

जयंती विशेष

डॉ. इन्दिरा मिश्र

# श्री मां की छत्र-छाया में बीते मेरे दिन

मैं 04.01.1954 से 12.06.1956 तक श्री मां की छात्र छाया में रही हूं। इसका तात्पर्य कि इस काल में मेरी शिक्षा दीक्षा, खान-पान, दिनचर्या, उनके आदर्शों के अनुसार, उनके व्यापक मार्गदर्शन में हुई है। यह श्री अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी की बात है। यह आश्रम अन्य किसी भी आश्रम से सर्वथा भिन्न है। यहां ऐसा नहीं है कि एक ही इमारत या कम्पाउंड में एक गुरु की नजरों के दायरे में सभी रहवासी रहते हों। यहां तो इमारतें भी अनेक हैं, और उनमें चलने वाली गतिविधियां भी अनेक। कोई गतिविधि छात्रों की शिक्षा संबंधी है, जो स्कूल में चल रही है, तो कोई आध्यात्मिक चर्चा संबंधी है, और तीसरी आश्रम को स्वनिर्भर बनाने की ने

की दृष्टि से न केला, चित्र, अगरबत्ती अथवा सुगंधि निमार्ण या विकय की है; तो कोई सामूहिक भोजन बनाने की, एवं कोई खेती की, या डेयरी चलाने की है। कोई पुस्तक छापने की, उनके विकय की है और हा/ कोई उन पुस्तकों को लिखने की है। शर्त यह है कि हर गतिविधि शुद्ध, सात्विक होगी और पूर्ण मनोयोग से 'काम की पूजा है', वाले भाव से, की जाएगी। श्री मां का हृदय विशाल था। आश्रम का नियम यह है कि यहां स्थाई रूप से रहने वालों को अपनी सब संपत्ति आश्रम को दान देनी होती है, और फिर बदले में आश्रम उनकी सब आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। मेरे वेदव्रत मामा एवं विद्याव्रत मामा ने अपना सर्वस्व आश्रम को सौंप दिया था। श्री मां शुद्ध हृदय से आने वालों को कभी मना नहीं करती थी। यदि कोई सम्पत्तिवान हो, तो अपनी सम्पत्ति दे, जिसके पास संपत्ति नहीं है, वह केवल अपने को दे, ऐसा होता था। मेरे वेदव्रत मामा संस्कृत के विद्वान थे, और विद्याव्रत मामा ने फोटो कला में श्री मां के सानिध्य में ही प्रसिद्धि पाई थी। ये दोनों ही श्री मां को प्रिय थे। उन्हीं का पुण्य था कि मैं आश्रम में शिक्षा लेने आ पाई थी।

स्कूली शिक्षा के संदर्भ में श्री मां एवं श्री अरविन्द खुद सम्मत पद्धति यह थी, कि किसी को कुछ सिखाया नहीं जा सकता, जब तक कि उसमें उस ज्ञान के प्रति उत्सुकता न जागे। सिखाने का समय आने पर किताबी ज्ञान से कम महत्वपूर्ण व्यवहारिक ज्ञान नहीं माना जाता है। गुरू अपने शिष्यों को वह ज्ञान देता अपने प्रेम और मित्र भाव से। यहां मेरे 3-4 शिक्षक थे। हिन्दी के कुंज बिहारी जी, फ्रेंच की कृष्णा कुमारी दी और भैंसियो रेमो (उन्हें श्री मां ने तन्मय' नाम दिया था) कला व साईस की पारूल दी और अंग्रेजी के अंग्रेज युवक रिचर्ड। लेकिन अंग्रेजी के रिचर्ड से पहले कान्ता बहन ने मुझे इंग्लिश सिखाई। इसका पहला सबक था, अंग्रेजी के अक्षर W को ठीक से पहचानना। यह डब्ल्यू कम है यू' और हूं, हां, व्हे, व्हि अधिक है। जैसे कि who, what, where, which आदि में। मेरे यह सीखने के बाद रिचर्ड मेरे शिक्षक हुए। प्रारंभ में शरीरिक शिक्षा का आवश्यक भाग होता था ठीक से उठना बैठना, खाना-पीना, सही व्यायाम, खेल कूद, आपसी मित्रभाव। हार-जीत की अपेक्षा शरीर की ऊर्जा का विकास, सहन शक्ति, योग एवं मानसिक संतुलन बनाये रखना महत्वपूर्ण था। कलाओं के विकास पर भी वहां पर्याप्त ध्यान दिया जाता था। दिसम्बर के शुरू में दीक्षान्त समारोह में छोटे-बड़े, सभी छात्र हिस्सेदारी करते थे। वहां बड़े कलाकरों के नृत्य-गायन-वादन कार्यक्रम भी होते थे। रवीन्द्र संगीत भी सुना जाता था। वहां संस्कृत के नाटको और ये ही प्रथाएं आज तक भी चल रही हैं। श्री मां की प्रेरणा से आश्रम के बाग-बगीचों में हेड गार्डनर ने डैलियां आदि सर्दी के मौसम के फूल भी बखूबी उगाए थे। वहां इतने फूल होते थे कि आश्रम परिसर महकता रहता था। आश्रम की सुविधाओं में एक पुस्तकालय भी शामिल था, जो समुद्र किनारे से पिछली गली में था। इसमें फांस से कई सचित्र कॉमिक्स की पुस्तकें, बच्चों के लिए व्यूमास्टर एवं अन्य ढेर सी पुस्तकें होती थीं। किन्तु हिन्दी पुस्तकें नहीं थी चूंकि वहां हिन्दी पढ़ने वाले कम थे। आश्रम वासियों की भाषा कुछ बंगाली का पुट लिए, स्त्रीलिंग पुल्लिंग का विलोपन करती हुई थी जिसमें उत्तर -भारतीय, बंगाली, गुजराती सब खुश थे। परन्तु श्री मां हिन्दी संस्कृत को बहुत पसंद करती थी। जब हिन्दी की परीक्षा हुई, उसमें मैं (तीसरी कक्षा में) प्रथम आई। तब श्री मां ने स्कूल के प्रांगण में मुझे पुरस्कार दिया। आश्रम के उन्मुक्त जीवन में सुमधुर वाणी युक्त शिक्षकों की उपस्थिति से तथा सर्व सुविधा से संपन्न होने पर भी मुझे आगे सामान्य जीवन भरी, (चांदी सी चमकत एकाग्रता में लौटना था।

## जीवन सिर्फ परिस्थिति है, उसका अनुभव करें

संकलित

दर्शन

अक्सर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे। जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीवी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का ख्याल रखा जाएगा।

## निजी स्वार्थ में दूसरों को नहीं देना चाहिए कष्ट

संकलित

प्रेरणा

मृत्यु अटल सत्य है और एक दिन सभी मृत्यु को प्राप्त होंगे। मरने के बाद कोई भी व्यक्ति अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकता है। इसीलिए गलत काम करने से बचना चाहिए। जो लोग इस बात का ध्यान रखते हैं, वे जीवन में कभी दुखी नहीं होते हैं। इस संबंध में एक लोक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार पुराने समय में एक दुखी व्यक्ति विद्वान संत के पास पहुंचा और बोला कि गुरुदेव मुझे कोई ऐसा सूत्र बताए, जो मुझे जीवनभर याद रहे और मेरी सारी समस्याएं खत्म हो सके। मेरे पास इतना समय नहीं है कि मैं रोज आपके प्रवचन सुनने यहां आऊं। संत ने उसकी बात ध्यान से सुनी और कहा कि ठीक है, मेरे साथ चलो। संत के साथ ही वह व्यक्ति भी चल दिया। संत उस व्यक्ति को लेकर श्मशान पहुंचे। उस व्यक्ति ने पूछा कि गुरुजी आप मुझे ये कहां लेकर आ गए हैं? संत ने कहा कि हम यहां कुछ देर रुकेंगे। थोड़ी ही देर में एक धनी व्यक्ति की अर्थी वहां आई और उसके कुछ देर बाद एक गरीब व्यक्ति की अर्थी लेकर कुछ लोग पहुंचे। अमीर और गरीब, दोनों लोगों के शवों को श्मशान में जला दिया गया। इसके बाद संत उस व्यक्ति को लेकर अपने आश्रम लौट आए। संत ने उससे कहा कि तुम कल फिर आना। मैं तुम्हें कल उपदेश दूंगा। अगले दिन सुबह-सुबह ही वह व्यक्ति फिर से संत के पास पहुंच गया। संत उसे लेकर श्मशान पहुंचे। संत ने अमीर की चिता से एक मुट्ठी राख उठाई और एक मुट्ठी राख गरीब की चिता से उठाई। दोनों मुट्ठियों की राख दिखाते हुए संत ने कहा कि ये देखो, अमीर हो या गरीब, दोनों एक समान हैं, दोनों में बिल्कुल भी अंतर नहीं है।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### रैगिंग एक बदनुमा दाग

हमारी मानसिकता कुछ इस तरह की बन चुकी है कि जब भी कोई बड़ी दुर्घटना या अनहोनी होती है तो मीडिया तो अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए उसे आम जन तक पहुंचाता है, पर हम एक बार समाचार पढ़ कर या तो व्यथित होते हैं या फिर क्षणिक क्रोधित होते हैं और फिर अगले ही पल भूल जाते हैं कि क्या हुआ था। इसे संवेदनहीनता ही कहा जाएगा। कई राज्यों में रैगिंग को लेकर जो नित नए अमानवीय यातनाओं के आयाम स्थापित किए जा रहे हैं, वो पूरी मानवता को शर्मिंदा करने वाले हैं। केरल में ही एक के बाद एक रैगिंग की ऐसी खबरें सामने आ रही हैं जो दिल दहला देने वाली हैं। ताजा मामला तिरुवनंतपुरम के कार्यावत्तोम गवर्नमेंट कॉलेज का है जहां सात सीनियर्स स्टूडेंट्स ने जूनियर स्टूडेंट को पानी में थूक मिलाकर पिलाया। - रमेश अग्रवाल, रायगढ़

## ट्रेंड

### नए क्षितिज की शुरुआत

पूर्वोत्तर की वास्तविक क्षमता को विकसित करने के लिए मोदी सरकार के अथक प्रयासों ने एक नए क्षितिज की शुरुआत की है जिसमें प्रगति और क्षेत्र की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत भविष्य की ओर साथ-साथ चलती है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

### त्रिवेणी संगम में डुबकी

आज त्रिवेणी संगम में मेरे डुबकी लगाने के अनुभव का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता, जो सिर्फ नदियों का संगम नहीं है - यह करोड़ों संतानियों की आस्था, आध्यात्मिकता और विरासत का संगम है।

-हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

### बीजेपी की बी टीम

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा आम चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह आम चर्चा है, जिसके कारण यहाँ बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना इस चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा पाए।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

### मातृभाषा का हैंडल

अपनी मातृभाषा का हैंडल छोड़ना नहीं। जो अपनी भाषा में सोचता, बोलता और जीता है, वो अपनी पहचान कभी नहीं खोता। मिट्टी से जुड़ा इंसान, दुनिया में कहीं भी रहे, दिल से वहीं रहता है, जहाँ से चला था।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

## करंट अफेयर

### ट्रंप के रुख के बाद जेलेंस्की के समर्थन में यूक्रेनवासी

यूक्रेन पर रूस के हमले की तीसरी वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यूक्रेनवासी उतने ही उदास और तनावग्रस्त हैं, जितने मॉस्को द्वारा युद्ध शुरू करने से ठीक पहले थे। अब, वे केवल अपने पुराने दुश्मन के बारे में चिंतित नहीं हैं। यूक्रेन के लिए चौंकाने वाला नया खतरा उसके एक समय के सबसे अच्छे सहयोगी, अमेरिका से है, जिसका समर्थन कमजोर पड़ता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच लड़ाई को रोकने का संकल्प जताते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वर में स्वर मिलाते दिख रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया था कि यूक्रेन का नेतृत्व एक 'तानाशाह' कर रहा है जिसने रूस के साथ युद्ध शुरू किया। इसके बाद यूक्रेनी लोग जेलेंस्की के प्रति समर्थन जता रहे हैं, जिन्होंने रूस की 'गलत सूचनाओं' को बढ़ावा देने के लिए ट्रंप की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। कीव की 25 वर्षीय तकनीकी कर्मचारी कैटरीना करौश ने कहा, ''हां, वह एक आदर्श राष्ट्रपति नहीं हैं, लेकिन वह तानाशाह भी नहीं हैं।'' लंबे समय से चली आ रहीं चुनौतियों के बावजूद, यूक्रेन के लोगों ने अमेरिका से भारी सैन्य समर्थन के साथ रूस को अपने देश पर कब्जा करने से रोका हुआ है, भले ही इसका लगभग पांचवां हिस्सा अब रूस के नियंत्रण में है।

## ऑफ बीट

### लोग जनरेटिव एआई से पूछ रहे स्वास्थ्य पर सवाल

ज्यादातर लोग अपने रोज़मर्रा और पेशेवर जीवन में मदद के लिए 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की ओर रुख कर रहे हैं। चैटजीपीटी सबसे मशहूर और व्यापक रूप से उपलब्ध जनरेटिव एआई टूल में से एक है। यह किसी भी सवाल का मुफ़्त में सटीक और विश्वसनीय जवाब देता है। लोगों के लिए जनरेटिव एआई टूल की मदद से स्वास्थ्य के बारे में जानने की बहुत संभावना है। लेकिन उत्तर हमेशा सही नहीं होते। स्वास्थ्य सलाह के लिए सिर्फ चैटजीपीटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है और अनावश्यक चिंता का कारण बन सकता है। जनरेटिव एआई अब भी अपेक्षाकृत एक नयी प्रौद्योगिकी है, और लगातार बदल रही है। हमारा नया अध्ययन इस बारे में पहला ऑस्ट्रेलियाई डेटा प्रदान करता है कि स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब देने के लिए कौन चैटजीपीटी का उपयोग कर रहा है, और किस उद्देश्य से। परिणाम लोगों को यह बताने में मदद कर सकते हैं कि वे अपने स्वास्थ्य के लिए इस नयी प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे करें, और इसे सुरक्षित रूप से उपयोग करने के लिए आवश्यक नए कौशल – दूसरे शब्दों में, ''एआई स्वास्थ्य साक्षरता'' का निर्माण करें। स्वास्थ्य के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कौन करता है?

रॉयल पत्रिका

# जयपुर में टैक्सी-ड्राइवर को पीटने वाले वकीलों पर FIR

## -लाइसेंस सस्पेंड करने की मांग; एडवोकेट की कार से गाड़ी टकराने पर की थी पिटाई

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर में अंबेडकर सर्किल पर गुरुवार दोपहर टैक्सी ड्राइवर को पीटने के मामले में आज दो एफआईआर दर्ज करवाई गई। एक एफआईआर पीड़ित टैक्सी ड्राइवर ने दर्ज करवाया। वहीं, दूसरा केस टैक्सी में बैठे कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग के अधिकारियों ने दर्ज करवाया। इससे पहले ड्राइवर यूनियन ने जयपुर जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। आरोपी वकीलों के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी अशोक नगर थाने पहुंचे। मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान टैक्सी में बैठे पीड़ित उप मुख्य निरीक्षक हरीशंकर और वरिष्ठ निरीक्षक चंद्रकांत पाकड़ भी विभाग के कर्मचारियों के साथ थाने पहुंचे। एफआईआर दर्ज करवाई। पीड़ित ड्राइवर मुकेश प्रजापत ने बताया- गाड़ी टच होने की बात पर ही वकीलों ने हम से मारपीट की। इतना ही नहीं जब हम कल मामले में पुलिस कार्रवाई करने के लिए थाने पहुंचे थे तो उनके द्वारा हमें मुकदमा दर्ज नहीं करवाने के लिए धमकाया गया। टैक्सी ड्राइवर यूनियन के प्रतिनिधियों ने कहा- हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग में कार्यरत इतिका ने कहा- कुछ दिन पहले ही हमारे उप मुख्य निरीक्षक हरीशंकर का हार्ट का ऑपरेशन हुआ था। जो विभाग के सीनियर अधिकारी हैं। ये लोग उनके साथ ही मारपीट कर सकते है तो आमजन कैसे क्या करेगा। हमारी मांग इन लोगो के लाइसेंस सस्पेंड होने चाहिए साथ ही कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। एडिशनल डीसीपी साउथ, ललित कुमार शर्मा ने बताया- कल की घटना के संबंध में टैक्सी ड्राइवर और अधिकारी दोनों की ओर से मामला दर्ज किया गया है। यह मामला एक वीडियो के माध्यम से सामने आया है, जिसकी गहन जांच जारी है। संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी और सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। बता दें कि एक वकील की गाड़ी और टैक्सी में टक्कर हो गई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। वहां मौजूद एडवोकेट्स ने ड्राइवर को गाड़ी से बाहर निकाल मारपीट शुरू कर दी। इतना मारा कि ड्राइवर सड़क पर ही रोने लगा। इसके बाद पुलिस ने आकर समझाइश की और ड्राइवर को बचाया।

# कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष समेत 6 विधायक विधानसभा से सस्पेंड

## -सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित; धरने पर बैठा विपक्ष

## -इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी पर हंगामा

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विपक्षी विधायकों को राजस्थान विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी गई। इधर, निलंबन के खिलाफ कांग्रेस विधायक सदन में धरने पर बैठ गए। शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी पर हंगामा हो गया था। हंगामा बढ़ने के कारण 3 बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। 4 बजे फिर से कार्यवाही शुरू हुई तो कांग्रेस विधायकों का वैल में हंगामा जारी रहा था। इस दौरान मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों के सस्पेंड का प्रस्ताव रखा। इसके बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गोविंद सिंह डोटासरा, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत, हाकम अली खान और संजय कुमार को बजट सत्र की बची हुई अवधि के लिए निलंबित कर दिया। इससे पहले अगस्त में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को सस्पेंड किया गया था।

**मंत्री के जवाब पर विपक्ष का हंगामा :-** इससे पहले सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने एक सवाल के जवाब में कहा था- पिछले बजट में 2023-24 में आपने हर बार की तरह अपनी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था। इस टिप्पणी पर विपक्ष भड़क गया था। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्री की टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हुए कहा था- यह क्या बकवास है? इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रही हैं, उनके लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मामला इतना बिगड़ा कि कांग्रेस के विधायक वैल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी थी। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने स्थिति को शांत करने का प्रयास किया और कहा कि 'दादी' एक सम्मानजनक शब्द है, लेकिन तब तक विधायक स्पीकर की टेबल तक पहुंच गए थे।

**जोगाराम बोले थे-** विपक्ष के नेता स्पीकर के पास पहुंच गए, धमकाने लगे संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा था- आज हमारे सभी मंत्री प्रश्न के प्रभावी तरीके से जवाब दे रहे थे। तथ्यात्मक जवाब दे रहे थे। पहले तो विधायक रफीक खान ने कहा कि यह जवाब सब हवा हवाई है तो हमने एतराज किया।

# मदन राठौड़ होंगे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष: आज भरा नामांकन

## - सीएम भजनलाल शर्मा, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे प्रस्तावक बनीं

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मदन राठौड़ का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनना तय हो गया है। आज पार्टी कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र भरे गए। मदन राठौड़ के अलावा किसी भी दूसरे नेता ने फॉर्म नहीं भरा। ऐसे में उनका प्रदेशाध्यक्ष बनना फाइनल है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा शनिवार सुबह 11 बजे होगी। इससे पहले मदन राठौड़ के सीएम भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल सहित पांच प्रस्तावक बने। शाम साढ़े 4 बजे तक नामांकन भरे गए। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच की गई। चुनाव प्रभारी गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय भाई रूपाणी ने कहा- नामांकन फॉर्म भरने का समय पूरा हो गया, आज हमें पांच नामांकन फॉर्म के सेट मिले हैं। जिनमें एक ही नाम मदन राठौड़ का है। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा होगी। प्रदेशाध्यक्ष चुनाव के लिए प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही प्रदेश से 25 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी निर्वाचन होगा। जो राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे। मदन राठौड़ का प्रदेशाध्यक्ष बनना तय मदन राठौड़ की प्रदेशाध्यक्ष पद पर 26 जुलाई 2024 को नियुक्ति हुई थी। ऐसे में उन्हें इस पद पर करीब 7 महीने का समय ही हुआ है। प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल भी संगठन की बैठकों में इस बात के संकेत दे चुके हैं कि प्रदेशाध्यक्ष के पद पर मदन राठौड़ ही निर्वाचित होंगे।

# प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि: 'राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह' का आयोजन 24 फरवरी को

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में सोमवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 19 वीं किश्त जारी करने के उपलक्ष्य में 24 फरवरी को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित किये जा रहे 'राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह' की व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में 'किसान सम्मान समारोह' के आयोजन की तैयारियों को लेकर कृषि व सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने समारोह की तैयारियों हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की एवं दिये गये कार्यो को समय पर जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। राजन विशाल ने बताया कि समारोह को बहुपयोगी बनाने के लिए अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेन्द्र कुमार को वेन्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर, निमंत्रण पत्र प्रारूप एवं आमंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं फार्मर मूवमेन्ट एवं पंजीकरण की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक उद्यान हिम्मत सिंह और संयुक्त निदेशक (कृषि विपणन) केसर सिंह को दी गई है। इसी तरह प्रदर्शनी कमेटी की जिम्मेदारी अतिरिक्त निदेशक उद्यान अतर सिंह मीणा व मीडिया कमेटी की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक कृषि (फसल बीमा) डॉ0 जगदेव सिंह को दी गई है। बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविन्द्र कुमार शर्मा, मुख्य लेखाधिकारी कौशल्या सांस्कृत्य, निदेशक श्याम हीरेन्द्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुरेन्द्र सिंह शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि टी.के. जोशी सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

# उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने नई दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री को दी बधाई

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा गुरुवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता व अन्य मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और नव नियुक्त मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार नई दिल्ली के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में विकास कार्यों को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

# टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान हेतु कार्यशाला आयोजित

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन, जयपुर में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिलों के सभी आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) समन्वयकों एवं पीपीएम (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कार्यशला को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक आमजन को टीबी रोग की सही जानकारी सुलभ नहीं होगी, तब तक एक स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस दिशा में आईईसी समन्वयकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्व टीबी दिवस के उपलक्ष्य पर राजस्थान सरकार द्वारा आगामी 11 मार्च से 24 मार्च तक पूरे प्रदेश में टीबी मुक्त पंचायत अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर क्षय रोग (टीबी) को समाप्त करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाना और रोग उन्मूलन हेतु सक्रिय कदम उठाना है। कार्यशाला के दौरान राज्य टीबी अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक टीबी से जुड़ी जानकारी और बचाव के उपाय पहुंच सकें। डॉ. एसएन धौलपुरिया, नोडल अधिकारी (टीबी मुक्त अभियान) ने कार्यशाला में उपस्थित समन्वयकों को संबोधित किया और अभियान की कार्ययोजना को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम, नि:शुल्क टीबी जांच शिविर और उपचार सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कार्यशाला में आईईसी समन्वयकों को टीबी उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान चलाने, आवश्यक जानकारी प्रसारित करने और समुदाय में रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ एवं क्षेत्रीय समन्वयक उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में पसीना आने जैसे लक्षण महसूस हों तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर नि:शुल्क जांच एवं

# हाईकोर्ट ने SI भर्ती में सरकार को दिए 2 महीने

## -कहा-किसी भी तरह का फैसला लेने की छूट; फील्ड पोस्टिंग पर रोक रहेगी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सब इंस्पेक्टर (SI) भर्ती मामले में हाईकोर्ट ने सरकार को 2 महीने का समय दिया है, लेकिन भर्ती में फील्ड पोस्टिंग पर रोक जारी रहेगी। राज्य सरकार किसी भी तरह का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र रहेगी। निर्णय के बाद सरकार अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करेगी। अब मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होगी। दरअसल, गुरुवार को सरकार ने अंतिम निर्णय के लिए 4 महीने का समय मांगा था। हालांकि हाईकोर्ट ने कहा था- 4 माह का समय बहुत अधिक है। दो महीने में निर्णय लिया जा सकता है। फिर भी हम सरकार को तीन महीने का समय देने के लिए तैयार हैं।

**भर्ती रद्द कराना चाहते हैं याचिकाकर्ता:-** मामले में याचिकाकर्ताओं के अलावा सरकार, ट्रेनी एसआई पक्षकार हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि भर्ती को निरस्त किया जाना चाहिए। क्योंकि एसओजी, पुलिस मुख्यालय, एजी और कैबिनेट सब कमेटी भर्ती रद्द करने की सिफारिश कर चुके हैं। वहीं, ट्रेनिंग ले रहे सब इंस्पेक्टर्स का कहना है कि पेपर लीक में हमारी कोई संलिप्तता नहीं है। हमने इस नौकरी के लिए अन्य सरकारी नौकरी छोड़ी है। ऐसे में अगर भर्ती रद्द होती है, तो हमारे साथ अन्याय होगा।

**पेपर लीक से हुआ था खुलासा:-** सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। एसओजी की जांच में कई डमी कैंडिडेट बैठाने का मामला भी सामने आया था। जांच में सामने आया था कि फर्जीवाड़ा करके कई अभ्यर्थियों ने नौकरी हासिल कर ली है। करीब 50 ट्रेनी एसआई को एसओजी अरेस्ट कर चुकी है, जिनमें से 25 को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी।

# लैब टैक्नीशियन संघ खेमराज कमेटी की रिपोर्ट से नाराज

## -मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन देकर ग्रेड-पे बढ़ाने समेत अन्य मांगे रखी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ ने खेमराज कमेटी की रिपोर्ट पर नाराजगी जताई। संघ ने कमेटी रिपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन देकर अपनी मांगे रखी। इसमें प्रमुख मांग पड़ोसी राज्यों की तर्ज पर लैब टेक्नीशियन की ग्रेड-पे बढ़ाने की रही। संघ के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री (वित्त) और चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए, जिसमें खेमराज कमेटी की रिपोर्ट पर आक्रोश जताया। संघ प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने आज जयपुर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देकर बताया कि ट्यूबरक्लोसिस से लेकर के स्वाइन फ्लू और विश्व स्तरीय कोविड जैसे संक्रमणों का सबसे पहले चिकित्सा विभाग में लैब टेक्नीशियन को सामना करना पड़ता है। इस साल देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य दिया है, जिसमें अहम योगदान जांच और जांच करने वाले लैब टेक्नीशियन का है। आज दूसरे राज्यों के लैब टेक्नीशियन को ग्रेड-पे 4200 मिल रही, लेकिन राजस्थान में उनसे उच्च शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक योग्यताओं के कर्मचारी होने के बावजूद हमे ग्रेड-पे 2800 ही मिल रही है, जिसे बढ़ाया जाना चाहिए।

# जयपुर स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी

## -संस्कृति चिल्ड्रन्स अकैडमी में ट्रैफिक पुलिस ने दिए सड़क सुरक्षा के टिप्स

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर के मुरलीपुरा स्थित संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी में यातायात नियमों की जानकारी देने के लिए शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस अधिकारी श्री प्रेम सिंह और सुनील जैन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। स्कूल के सचिव आयुष कुमार शर्मा और हेड अशोक कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। ट्रैफिक पुलिस अधिकारी प्रेम सिंह ने छात्रों को ट्रैफिक सिग्नल, सड़क सुरक्षा नियम और हेलमेट व सीट बेल्ट के जरूरी उपयोग की जानकारी दी। स्कूल हेड अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। उन्होंने बताया कि बचपन से ही बच्चों को ट्रैफिक नियमों की शिक्षा देना जरूरी है। विद्यालय सचिव आयुष कुमार शर्मा ने कहा कि यातायात नियमों की जानकारी से दुर्घटनाएं कम होंगी और समाज में अनुशासन बढ़ेगा। कार्यक्रम में यातायात नियमों पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इसमें ट्रैफिक लाइट्स और रोड साइन बोर्ड्स से जुड़े सवाल पूछे गए। सही जवाब देने वाले छात्रों को मेडल और गिफ्ट दिए गए। स्कूल प्रबंधन ने ट्रैफिक पुलिस और मीडिया का आभार जताया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करने का वादा किया।

# विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे स्कूली छात्र

## -स्पीकर वासुदेव देवनानी से मिले एमएसएमएसवी के बच्चे, प्रश्नकाल सत्र की कार्यवाही समझी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा में आज एमएसएमएसवी के विद्यार्थियों ने विशेष शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने शुक्रवार को आगंतुक दीर्घा से प्रश्नकाल सत्र की कार्यवाही का अवलोकन किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात के दौरान छात्रों को विधानसभा की कार्यप्रणाली और नियमों की जानकारी मिली। देवनानी ने छात्रों से उनकी पढ़ाई और खेलकूद गतिविधियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत करने और देश का सम्मान बढ़ाने की प्रेरणा दी। शिक्षिका अंजू मुकेश और रश्मि चुघ के नेतृत्व में 15 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इनमें शांतनु गोयल, उदयवीर सिंह, अरूष टाटीवाला, रोहन गोयल, रिजकिन खान, अनिका अहलावत, विहान साहनी, कौस्तुभ सिंह पलावत, सानवी खेतान, आध्या गुप्ता, मिशिका अरोड़ा, नितारा अग्रवाल, हर्षवर्धन शर्मा, वेदिका खुराना और महिका दाधीच शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने स्पीकर का आभार व्यक्त किया।

# राजस्थान के वैद्य को मिला आयुर्वेद का सर्वोच्च सम्मान

## -केंद्रीय आयुष मंत्री ने ताराचंद शर्मा को मुंबई में दिया 5 लाख का धन्वंतरि पुरस्कार

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मूल निवासी और दिल्ली में चिकित्सारत नाड़ी वैद्य ताराचंद शर्मा को भारत सरकार ने आयुर्वेद के सर्वोच्च धन्वंतरि पुरस्कार से सम्मानित किया है। पुरस्कार में पांच लाख रुपए, प्रशस्ति पत्र, शॉल और श्रीफल प्रदान किए गए। 20 फरवरी को मुंबई में आयोजित समारोह में केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि और एकनाथ शिंदे विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा और राष्ट्रपति के मानद चिकित्सक वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा सहित आयुर्वेद क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। झुंझुनूं जिले के बिसाऊ कस्बे के रहने वाले वैद्य शर्मा पहले भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। वे एक प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य हैं। उन्होंने सत्तर से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। उनकी कई पुस्तकें विभिन्न आयुर्वेद विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं।

# रियलमी ने लॉन्च किए रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पीउएक्स 5जी

**मुंबई, एजेंसी।** रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है, उसने गर्व से रियलमी पी3 सीरीज 5जी पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूज़र्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि हमें रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूज़र-केंद्रित डिज़ाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। रियलमी पी3 प्रो 5जी, अपने लुभावने रंग बदलने वाली फाइबर और स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट के साथ एक अद्वितीय और शानदार अनुभव देता है। रियलमी पी3एक्स 5जी, अपनी विशाल बैटरी और उच्चतम स्तर की वाटरप्रूफ क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों को सहने के लिए बनाया गया है। दोनों डिवाइस बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, शानदार दृश्य और लम्बे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसीलिए यह हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श विकल्प हैं।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम रियलमी पी3 सीरीज 5जी को फ्लिपकार्ट पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह हमारे ग्राहकों को नए इनोवेशन के साथ-साथ बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस देने का वादा करते हैं। रियलमी के साथ, हम डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी के मामले में हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं, रियलमी पी3 सीरीज 5जी अपनी मनमोहक खूबियों और इनोवेटिव डिज़ाइन के साथ अलग ही पहचान बनाता है। यह लॉन्च हमारे उपयोगकर्ताओं को बेहतरीन स्मार्टफोन्स आकर्षक मूल्य पर देने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे हमारे प्लेटफॉर्म के माध्यम से सर्वोत्तम टेक्नोलॉजी तक पहुँच सकें।

# महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स अपने 20वें संस्करण के लिए तैयार

**20 भारतीय राज्यों से 32 भाषाओं और बोलियों में 367 नाटकों में से चुने गए उत्कृष्ट नाटक**

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय रंगमंच के प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल–महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स –13 से 20 मार्च 2025 तक लौट रहे हैं। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित इस पुरस्कार समारोह के 13 श्रेणियों के लिए नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की गई है। ये नाटक नई दिल्ली में प्रस्तुत किए जाएंगे और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ इस फेस्टिवल का भव्य समापन होगा। विजेताओं को 20 मार्च 2025 को कमानी ऑडिटोरियम में रंगमंच की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। बेहतरीन नाटकों के लिए मशहूर, मेटा में अब तक पौराणिक कथाओं, लिंग, पहचान, विद्रोह, दमन, अधिनायकवाद, व्यक्तिगत संघर्षों और रोमांच जैसे विषयों पर नाटक शामिल रहे हैं। अपने 20वें संस्करण में भी नामांकित नाटक सीमाओं को तोड़ते हुए विविध दृष्टिकोणों और कहानियों का सम्मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं। 2025 संस्करण के लिए इस फेस्टिवल में भारत के 20 राज्यों से 367 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां भी शामिल हैं। इस बार शॉर्टलिस्ट किए गए नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से हैं। हमेशा की तरह, फेस्टिवल ने समावेशिता और विविधता को अपनाया है, इस बार 32 भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुतियां आई हैं। अंतिम 10 नामांकनों में हिंदी, मलयालम, बांग्ला, कन्नड़, संस्कृत, बुंदेली और अंग्रेज़ी में नाटक शामिल हैं।

## ऐक्टिव क्लोदिंग ने क्यू3 एफवाय25 में 223 प्रतिशत पीएटी वृद्धि की रिपोर्ट दी

**मुंबई, एजेंसी।** मोहाली, पंजाब 17 फरवरी, 2025 : ऐक्टिव क्लोथिंग कंपनी लिमिटेड भारत की प्रमुख डिज़ाइन-टू-शेल्फ प्लेटफ़ॉर्म, जो वैश्विक फैशन ब्रांड्स के लिए फ्लैट-निटेड स्वेटर्स, जैकेट्स और सर्कुलर-निटेड ऐपरेल में विशेषज्ञता रखता है, ने अपनी अनऑडिटेड क्यू3 और 9एम एफवाय25 परिणामों की घोषणा की है।
ऐक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजेश मेहरा ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए एक मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए प्रसन्न हैं, जिसमें हमारे क्यू3 पीएटी में 223 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हमारे 9एम एफवाय25 की राजस्व ने एफवाय24 के पूर्ण वर्ष की राजस्व को पहले ही पार कर लिया है। यह वृद्धि हमारे नवाचार, दक्षता और प्रमुख वैश्विक फैशन ब्रांड्स के साथ संबंधों को मजबूत करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है।

## लाइफ सेविंग का काम करता है इमरजेंसी विभाग-डॉ. वी. निरंजनी

**बैतूल।** मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने कहा, वर्तमान समय में लोगों में मेडिकल इमरजेंसी के बारे में अवेयरनेस की जरूरत है क्योंकि आमतौर पर देखा जाता है कि लोग किसी भी समस्या के लिए इमरजेंसी विभाग में पहुंच जाते हैं. यहां केवल इमरजेंसी पेशेंट को ही लाना चाहिए जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. इमरजेंसी विभाग में उच्च प्रशिक्षित स्टाफ और डॉक्टर रहते हैं जिनका फायदा उन्हें मिलना चाहिए जो ज्यादा पीड़ित है और जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. सबसे पहले तो यह जागरूकता लानी जरूरी है कि कौनसे पेशेंट को इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए और किसे ओपीडी में. यदि पेशेंट को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, चेस्ट पेन है, स्ट्रोक की समस्या है, लकवे का शिकार हुआ है, ज्यादा बुखार है, चक्कर आकर गिर गया है, एक्सीडेंट हुआ है तो उसे बगैर देरी किए इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए. अन्यथा पेशेंट 3-4 दिनों से समस्या से जूझ रहा है और उसे सर्दी, खांसी जैसी सामान्य समस्या है तो इसके लिए ओपीडी में जाना चाहिए. ऐसे में इमरजेंसी विभाग का लोड कम होगा और जो वाकई इमरजेंसी पेशेंट हैं, उन्हें यह सुविधा तत्काल प्रभाव से मिल सकेगी क्योंकि इमरजेंसी विभाग लाइफ सेविंग का काम करता है. मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने आगे कहा, सबसे जरूरी तो यह है कि हर किसी के घर में फर्स्ट एड किट होना ही चाहिए. इसमें कॉटन, क्रेप बैंडेज, बिटाडीन क्रीम, स्प्रे, गौज रोल आदि चीजें होनी चाहिए.

## एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

**मुंबई।** एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के दौरान कई स्थानों पर एक साथ 'सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया है। इस गतिविधि में देश भर के 6 आयोजन स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंपनी द्वारा आयोजित पशु विकास दिवस के सातवें संस्करण के तहत यह उपलब्धि हासिल की गई, जो देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था। इन शिविरों का आयोजन एक साथ 16 राज्यों के 500 स्थलों पर किया गया जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1,90,000 रही (150,000 पशु एवं 40,000 पशु मालिक)। भारत में तकरीबन 65-70 फीसदी ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों पर निर्भर करती है।

# 117 तक जाएगा एनएचपीसी का शेयर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** हाइड्रो पावर कंपनी एनएचपीसी के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 4 प्रतिशत से अधिक चढ़कर



77.60 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक पॉजिटिव अपडेट है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने एनएचपीसी को आउटपरफॉर्म से हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग में अपग्रेड किया है। बता दें कि हाई कन्विक्शन का मतलब ऐसे स्टॉक्स से है जिनमें अपने पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लगा सकते हैं। यह इसमें मजबूत डेवलपमेंट कैपासिटी को दिखाता है। सीएलएसए एनएचपीसी में लंबी अवधि के लिए निवेश के रूप में देखता है। उनके मुताबिक, आने वाले सालों में इससे जबरदस्त मुनाफे की उम्मीद है। फर्म का मानना है कि स्टॉक के बेसिक प्रिंसिपल और आगामी परियोजनाएं इसमें पर्याप्त उछाल की स्थिति में हैं।

### क्या है टारगेट प्राइस

हालांकि, सीएलएसए ने हाई कैपिटल एक्सपेंडिचर को ध्यान में रखते हुए कंपनी का टारगेट प्राइस को पहले के 120 रुपये से घटाकर 117 रुपये कर दिया है। सीएलएसए का मानना है कि स्टॉक में अगले चार वर्षों में दोगुना होने की क्षमता है, जिससे यह एक अट्रैक्टिव लॉन्ग टर्म निवेश बन जाएगा। बता दें कि पिछले छह महीनों में एनएचपीसी के शेयर में हालिया 20 प्रतिशत सुधार निवेशकों के लिए स्टॉक जमा करने का एक सस्ता अवसर बना हुआ है। पारबती 2 हाइड्रो परियोजना की शुरुआत से वित्त वर्ष25 में विनियमित इक्विटी में 27 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी। कम अवधि के विनियमित पंप भंडारण में एनएचपीसी के प्रवेश को विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जाता है। ब्रोकरेज को वित्त वर्ष 2024-28 के दौरान विनियमित इक्विटी में 2 गुना वृद्धि का अनुमान है, क्योंकि प्रमुख परियोजनाएं पूरी होने तक पहुंचती हैं, जिससे प्रति शेयर आय (ईपीएस) में वृद्धि होती है।

### एनएचपीसी शेयर की कीमत

पिछले साल एनएचपीसी के शेयरों में 21 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, दो साल की अवधि में, स्टॉक ने 89 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। पिछले तीन और पांच वर्षों में, एनएचपीसी ने क्रमश: 153 प्रतिशत और 253 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

### दिसंबर तिमाही के नतीजे

पब्लिक सेक्टर की कंपनी एनएचपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटकर 330.13 करोड़ रुपये रह गया। खर्च बढ़ने से कंपनी के लाभ में कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 623.28 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 2,217.51 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,733.01 करोड़ रुपये था।

# डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स में सर्विस कराना ज्यादा महंगा

- **66 प्रतिशत के मुताबिक सर्विस सेंटर ने ज्यादा पैसे लिए गए**

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सबको पता है कि गाड़ी और अपनी सुरक्षा के लिए गाड़ी की सही सर्विसिंग कितनी बहुत जरूरी है। लेकिन डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर सर्विस कराना अब मुश्किल होता जा रहा है। जारी सर्वे के मुताबिक पिछले 3 वर्षों में जिन कस्टमर्स ने डीलरशिप के सर्विस सेंटर पर अपनी गाड़ी की सर्विस कराई हैं, उनमें से 66 प्रतिशत को लगता है कि उनसे ज्यादा पैसे लिए गए। इनमें से 20 प्रतिशत को सर्विस और कस्टमर केयर की क्वालिटी भी औसत से कम लगी सिर्फ 45 प्रतिशत कस्टमर्स ने सर्वे में ये बताया कि वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स की सर्विस और कस्टमर केयर से खुश है।

76 प्रतिशत कस्टमर्स ने कहा कि अगर स्पेयर पार्ट्स और लेबर के चार्जेस 40 प्रतिशत तक कम कर दिए जाएं, तो वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर ही सर्विस कराने जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की टेस्ला अब भारत में आ रही है। सवाल है कि स्टैंडर्ड्स तय करने की जरूरत है टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है और उसने भारत में भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है।

# नायसस फाइनेंस की दुबई शाखा संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में अपना विस्तार करेगी

**मुंबई, एजेंसी।** नायसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रसिद्ध निवेश प्रबंधन फर्म है, ने यह घोषणा की है की दुबई-स्थित फंड सलाहकार, नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ ने नायसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी (फंड) और इससे जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए वित्त जुटाने में सहायता के लिए वैश्विक अग्रणी निवेश बैंक होलिहैन लोकी को नियुक्त किया है।

होलिहैन लोकी, अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया-प्रशांत में मजबूत उपस्थिति वाला एक प्रमुख वित्तीय संस्थान, विलय और अधिग्रहण, पूंजी बाजार, वित्तीय पुनर्गठन और वित्तीय और मूल्यांकन सलाहकार में माहिर है। एलएसईजी (पूर्व में रिफाइनिटिव) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लेनदेन की संख्या के आधार पर, फर्म को पिछले दस वर्षों से लगातार यू.एस. में नंबर 1 एम एंड ए सलाहकार और लगातार ग्यारह वर्षों तक नंबर 1 वैश्विक पुनर्गठन सलाहकार के रूप में स्थान दिया गया है।

नायसस फाइनेंस हाई यील्ड ग्रोथ फंड एक डीआईएफसी-पंजीकृत श्रेणी 3सी फंड है, जिसे दुबई फाइनेंशियल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएफएसए) द्वारा एक योग्य निवेशक संपत्ति फंड के रूप में विनियमित किया जाता है। यह खाड़ी क्षेत्र में उच्च-उपज, स्थिर, किराए पर कमाई वाली संपत्ति प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी डॉलर आईआरआर है। फंड ने पहले ही दुबई की दो प्रमुख संपत्तियों, जुमेराह विलेज सर्कल (जेवीसी) और अल फुरजान में पूंजी लगा दी है, जिसका कुल निवेश मूल्य 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ, नायसस फाइनेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, फंड के लिए विशेष निवेश सलाहकार के रूप में कार्य करती है।

नायसस फाइनेंस, जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाली प्रमुख वैकल्पिक फंड प्रबंधक कंपनी है, वर्तमान में तीन फंड्स का प्रबंधन कर रही है, जिनमें से एक है निसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी, जो डीएफएसए संदर्भ संख्या सी000226 के तहत पंजीकृत है।

# बढ़ती मांग के बीच कैंब्रिज की चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार हुआ

**मुंबई, एजेंसी।** कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप द्वारा कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार किया जा रहा है। ये टेस्ट स्कूलों को प्राइमरी और लोअर सेकंडरी स्टूडेंट्स की लर्निंग की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं। पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने लर्नर्स की परफॉर्मेंस का आकलन करने के लिए 101 देशों के 1600 से अधिक स्कूलों ने कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट्स का उपयोग किया। कैंब्रिज बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए मई और अक्टूबर के अलावा 2026 से मार्च में तीसरी टेस्ट सीरीज़ शुरू कर रहा है।
कैंब्रिज हर सीरीज़ के लिए एक सप्ताह का टाईमटेबल भी पेश कर रहा है, और यह मई सीरीज़ की तारीखें स्कूलों की जरूरतों के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। राखी मुखर्जी, प्रिंसिपल, उत्पल शांघवी ग्लोबल स्कूल एवं पीपीएसआईजेसी ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट मूल्यांकन के अलावा हमारे लर्नर्स की जरूरतों के बारे में निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण डेटा और उनकी परफॉर्मेंस का वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं। इस व्यक्तिगत विश्लेषण द्वारा हम ज्यादा केंद्रित सहयोग प्रदान कर सकेंगे, जिससे हर विद्यार्थी को लर्निंग में मदद मिलेगी। साथ ही, इस परिवर्तन द्वारा हमें एकेडेमिक वर्ष की शुरुआत में ज्यादा प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी, जिससे टीचिंग और लर्निंग के लिए संरचनाबद्ध दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। सभी परीक्षाओं का समन्वय एक स्वागतयोग्य कदम है, जिससे हमारे जैसे कैंब्रिज पाथवे स्कूलों के लिए ज्यादा तालमेल और स्पष्टता आ सकेगी।'' रॉड स्मिथ, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल एजुकेशन, कैंब्रिज ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट स्कूलों को युवा लर्नर की प्रगति को ट्रैक करने और सहयोग को अनुकूलित करने में मदद करते हैं।

# किआ इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश की नई ईवी6, नवाचारों की प्रेरक दुनिया का किया प्रदर्शन

- **नई किआ ईवी6 में 5 नए ऑटोनॉमस फीचर्स जोड़े गए हैं, जो इसे और भी सुरक्षित और स्मार्ट बनाते हैं।**
- **यह इलेक्ट्रिक वाहन 650+ किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक में किआ की उत्कृष्टता को दिखाता है।**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किआ इंडिया ने अपनी नई ईवी6 का अनावरण किया। कंपनी ने घोषणा की है कि इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यह वाहन किआ की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। नई किआ ईवी6 सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है। यह वाहन कंपनी के एडीएएस 2.0 पैकेज से लैस है, जिसमें 27 उन्नत सुरक्षा और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स शामिल हैं। पिछले मॉडल की तुलना में इसमें 5 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो इसे और भी बेहतर बनाती हैं। नई किआ ईवी6 में ये उन्नत सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं- इनमें फ्रंट कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट : शहर, पैदल यात्री, साइकिल चालक और जंक्शन टर्निंग के लिए; फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस : जंक्शन क्रॉसिंग और लेन चेंज असिस्ट के साथ, लेन फॉलो असिस्ट: वाहन को लेन में बनाए रखने के लिए, इवेसिव स्टीयरिंग असिस्ट- टक्कर से बचने के लिए शामिल हैं। ये सभी फीचर्स कंपनी के प्रमुख मॉडल ईवी9 से प्रेरित हैं और टक्कर सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती, और यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाते हैं। किआ की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवी9 ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में तकनीक और नवाचार के नए मानक स्थापित कर रही है। इस वाहन ने प्रतिष्ठित वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब जीतने के साथ ही अपनी जगह और मजबूत कर ली है। किआ इंडिया ने ग्लोबल टेक्नोलॉजी, शानदार डिजाइन और टिकाऊ इंजीनियरिंग को अपने उत्पादों के साथ बेहतरीन तरीके से जोड़ा है। हाल ही में लॉन्च की गई किआ सिरोस इसका एक और उदाहरण है। भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 के पैवेलियन में किआ इंडिया ने इमर्सिव डिस्प्ले के जरिए ऑटोमोटिव उत्कृष्टता के भविष्य और टिकाऊ परिवहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। यह किआ इंडिया की नवाचार और एक बेहतर ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम बनाने की सोच का समर्थन करता है।

**गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के हैप्पीनेस सर्वे के मुताबिक घरेलू सुरक्षा के उल्लंघन के शिकार 98 प्रतिशत लोगों की खुशी प्रभावित हुई**

## गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने सुरक्षा और सही मायने में खुशी के बीच गहरे संबंध को उजागर किया

मुंबई, एजेंसी। सुरक्षा सिर्फ बस प्रतिकूल परिस्थितियों से अपनी रक्षा का नाम नहीं बल्कि यह मन की शांति और स्थायी खुशी का आधार है। गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय (सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस) द्वारा किए गए ताज़ातरीन हैप्पीनेस सर्वे से पता चलता है कि जिन लोगों के घर की सुरक्षा का उल्लंघन हुआ और उनमें से 98 प्रतिशत ने बताया कि इससे उनके समग्र सुरक्षा भाव और खुशी पर सीधा असर पड़ा है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि ऐसे उल्लंघन का उनके स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर हुआ।

इस सर्वेक्षण में शामिल 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं के घर सेंधमारी, डकैती और चोरी जैसी घटनाएं हुईं, इसलिए ये निष्कर्ष सुरक्षा को बेहतर तरीके से अपनाने की तत्काल ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। सर्वेक्षण में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि लोगों ने सुरक्षा के लिए कैसे तरीके अपनाए। 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्होंने होम लॉकर (तिज़ोरी) का विकल्प चुना, 45 प्रतिशत ने निगरानी कैमरों को अधिक सुरक्षित उपाय बताया, 36 प्रतिशत ने सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति पर ज़ोर दिया, 29 प्रतिशत ने अलार्म सिस्टम को प्राथमिकता दी, और 20 प्रतिशत ने वीडियो डोर फोन की भूमिका पर रोशनी डाली।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस के ईवीपी और बिजनेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इन निष्कर्षों पर अपनी टिप्पणी में कहा, हमारे सर्वेक्षण के निष्कर्षों में सुरक्षा और खुशी के बीच मजबूत संबंध स्पष्ट है। सुरक्षित वातावरण खुशहाल और अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी समाज को बढ़ावा देता है। सुरक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाना सिर्फ चलन भर नहीं है, बल्कि यह बेहतर जीवन से जुड़ी प्रमुख आवश्यकता है। गोदरेज में, हम ऐसे नए-नए उपाय पेश करते रहते हैं जो लोगों को सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों की सुरक्षा करने के लिए सशक्त बनाते हैं, ताकि वे खुशहाल, चिंता मुक्त जीवन जी सकें।

सुरक्षा का मतलब सिर्फ शारीरिक सुरक्षा नहीं है। यह सीधे-सीधे भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य से जुड़ी है।

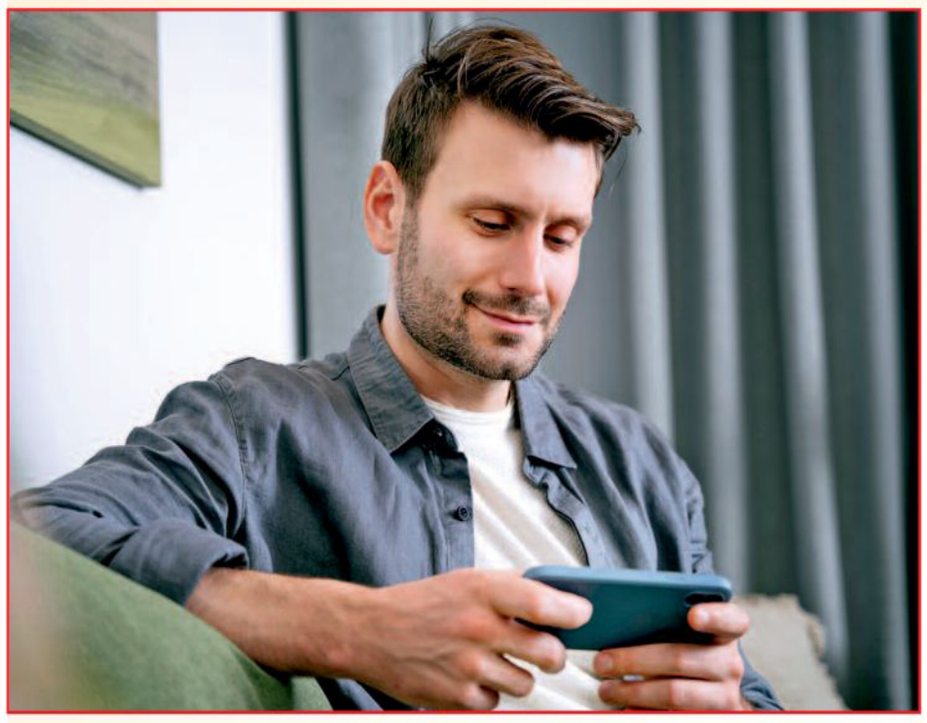

आज के दौर में मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण हर उम्र के लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। नतीजा, कई तरह की बीमारियों के चंगुल में हम फंसते जा रहे हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें, इस बारे में बहुत जरूरी सुझाव।

# कई बीमारियों की वजह बढ़ता स्क्रीन टाइम

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. हर्षल साल्वे
एडिशनल प्रोफेसर-सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, दिल्ली

चाहे ऑफिस से जुड़ा काम-काज हो या करनी हो स्टडी, ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या फिर अपनों के साथ चैटिंग, ऐसी अनेक एक्टिविटीज की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। यह सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होता है। इसकी वजह से लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगती हैं। इनके बारे में जरूर पता होना चाहिए, ताकि इनसे बचाव किया जा सके।

## सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस

कंप्यूटर या लैपटॉप के साथ लगातार घंटों काम करते समय अधिकतर लोगों को अपने सही पोस्चर का ध्यान नहीं रहता। टाइपिंग करते समय अकसर लोगों की गर्दन झुक जाती है, इससे उनकी गर्दन और कंधे में दर्द की समस्या होने लगती है। अगर लंबे समय तक ध्यान न दिया जाए तो इससे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या हो सकती है।

**बचाव के उपाय:** कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर टाइप

करते समय अपनी गर्दन सीधी रखें। लगातार बहुत देर तक काम न करें। हर एक घंटे के अंतराल पर बीच में उठकर पांच से दस मिनट का ब्रेक लें। इससे गर्दन में दर्द की समस्या नहीं होगी।

## ओवरवेट यानी ओबेसिटी

जो लोग इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ ज्यादा वक्त बिताते हैं, उनकी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। साथ ही काम के दौरान होने वाली बोरियत को दूर करने के लिए अधिकतर लोग बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स, वेफर्स या जंक फूड्स जैसी अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करते हैं, इससे उनका वजन बढ़ जाता है और ओबेसिटी जैसी समस्या परेशान करने लगती है।

**बचाव के उपाय:** चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, नियमित एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें। काम के दौरान अगर बीच में हल्की भूख लगे तो मंचिंग के लिए हाई कैलोरी वाले जंक फूड के बजाय फल, भुने चने और मुरमुरे जैसी चीजों का सेवन करें।

## पीठ और कमर में दर्द

कंप्यूटर या लैपटॉप पर टाइप करते हुए अधिकतर लोग अपनी पीठ और कमर के सही पोस्चर का भी ध्यान नहीं रखते हैं। इसी वजह से उनकी पीठ और कमर में दर्द की समस्या होती है। लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर काम करना या पीठ को सीधी न रखना इस समस्या की बड़ी वजह है।

**बचाव के उपाय:** चाहे आप बेड पर बैठें या कुर्सी पर आपकी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। कुर्सी टेबल पर बैठकर काम करते समय तकिए या कुशन का सहारा लेना चाहिए। इससे पीठ और कमर में दर्द नहीं होगा।

## डायबिटीज-हाई ब्लडप्रेशर-कोलेस्ट्रॉल

स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के बिताने वाले लोगों के शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का संग्रह होने लगता है। इसी वजह से उनमें डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की आशंका भी बढ़ जाती है।

**बचाव के उपाय:** घी-तेल और चीनी से बने फूड आइटम्स से दूर रहें। नियमित रूप से एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें।

## कलाई और अंगुलियों में दर्द

आजकल लोग घंटों तक मोबाइल पर चैटिंग करते हैं या स्क्रीन स्क्रॉल करके रील्स देखते रहते हैं। इससे उन्हें अंगुलियों और कलाई में दर्द की समस्या भी होती है।

**बचाव के उपाय:** मोबाइल देखने के समय में कटौती करें, जहां तक संभव हो लोगों को टेक्स्ट मैसेज भेजने के बजाय वॉयस नोट भेजें।

## अनिद्रा की समस्या

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और रील्स देखने की लत के कारण अधिकतर लोग देर रात तक जागते हैं, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं होती। इससे उनमें चिड़चिड़ापन, थकान और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी होती हैं। नींद की कमी के कारण स्मरण शक्ति भी कमजोर पड़ने लगती है। पाचन संबंधी समस्याएं भी परेशान करती हैं।

**बचाव के उपाय:** रोजाना कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। रात को सोने से एक घंटे पहले से मोबाइल को स्विच ऑफ कर दें, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन से भी दूर रहें। रात को सोते समय मोबाइल को बेडरूम से बाहर रखें।

## सिर में दर्द

मोबइल पर लगातार चैटिंग करने से लोगों को सिर में दर्द की समस्या भी होती है। लगातार रील्स स्क्रॉल करते रहने की आदत ब्रेन की सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। इससे खास तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्या होती है, जिसे ब्रेन रोट प्रॉब्लम कहते हैं। इसमें लोगों को ध्यान केंद्रित करने और सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट आती है।

**बचाव के उपाय:** अपने मोबाइल में सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन के बटन को ऑफ रखें। मनोरंजन के लिए किताबें पढ़ना या टीवी देखना ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मोबाइल से दूर रहें।

## मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

लंबे समय तक लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और मोबाइल, लैपटॉप के साथ ज्यादा वक्त बिताने के कारण लोगों में एंग्जायटी, स्ट्रेस, उदासी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा करने वाले लोग इंट्रोवर्ट और उदास रहने लगते हैं। ज्यादा रील्स देखने से सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता घटने लगती है।

**बचाव के उपाय:** सचेत तरीके से अपना स्क्रीन टाइम घटाने की कोशिश करें। खाली समय में अकेलापन या उदासी दूर करने के लिए मोबाइल स्क्रॉल करने से बचें, बल्कि खुद को कुकिंग, बागवानी, पेंटिंग और लेखन जैसे रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रखने की कोशिश करें। अपनों से मिलने-जुलने और बातचीत के लिए समय निकालें। ध्यान

रहे, जब भी आप किसी से मिलने जाएं, उस दौरान मोबाइल को अपने पर्स में रख दें। इससे आपके स्क्रीन टाइम में कटौती होगी और आप अपनों के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता पाएंगे।

अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगे तो मोबाइल और गैजेट्स के सीमित इस्तेमाल के बावजूद आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। ✱

**प्रस्तुति: विनीता**

### बच्चों का भी बढ़ रहा स्क्रीन टाइम

आजकल एक-दो साल की उम्र से ही लोग रोते बच्चों को बहलाने के लिए उनके हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं।

इसी वजह से उन्हें मोबाइल की लत लग जाती है और अकसर वे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। ऑनलाइन क्लास और स्टडी की वजह से भी बच्चे लैपटॉप और स्मार्टफोन के साथ काफी वक्त गुजारते हैं। मोबाइल के स्क्रीन से ब्लू लाइट वैसे तो बड़ों के लिए भी नुकसानदेह होती है, लेकिन बच्चों की कोमल आंखों पर इसका ज्यादा बुरा असर पड़ता है।

**बचाव के उपाय:** दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखें। पांच वर्ष के बाद बच्चे मोबाइल तो देख सकते हैं, लेकिन उनका स्क्रीन टाइम 2 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार बच्चों को सोने से एक घंटे पहले से ही स्क्रीन न देखने दें। अगर परिवार में बड़े भी यह नियम अपनाएं तो यह उनके लिए फायदेमंद साबित होगा।

### आंखों के लिए भी है बहुत हार्मफुल

**स्क्रीन टाइम** बढ़ने का बुरा असर आंखों पर भी बहुत अधिक पड़ रहा है। मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिताने की वजह से लोगों की आंखों की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है। स्क्रीन पर लगातार देखने के कारण पलकें झपकाने का मौका नहीं मिलता, इससे आंखों की नमी सूखने लगती है। आंखों में ड्राइनेस की समस्या के कारण खुजली, जलन और लालिमा जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

**बचाव के उपाय:** आंखों को स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 20: 20: 20 का फॉर्मूला अपनाएं। यानी, हर 20 मिनट के अंतराल पर 20 सेकंड का ब्रेक लेकर 20 फीट की दूरी पर रखी किसी वस्तु को

देखें। इसके अलावा फोन के स्क्रीन को ज्यादा नजदीक से न देखें। लैपटॉप का स्क्रीन भी लगभग डेढ़ फीट की दूरी पर होना चाहिए। लैपटॉप पर काम करते समय हर 20 मिनट के अंतराल पर अपनी दोनों हथेलियां बंद पलकों पर रखें, इससे आंखों की थकान दूर होगी। ब्राइट लाइट का रिफ्लेक्शन सीधे स्क्रीन पर नहीं होना चाहिए। आप जिस कमरे में रहते हैं, वहां की प्रकाश व्यवस्था संतुलित होनी चाहिए।

ज्यादा तेज या बहुत हल्की रोशनी दोनों ही आंखों के लिए नुकसानदेह होती है, अपने कमरे में हमेशा मीडियम रोशनी का प्रबंध रखें। अगर आंखों में कोई तकलीफ न हो तो भी साल में एक बार आई चेकअप अवश्य कराएं।

**- सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली की सीनियर आई स्पेशलिस्ट डॉ. इकेदा लाल**

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

# त्रिदोष नाशक कच्ची हल्दी

हल्दी, भारतीय रसोई के सबसे लोकप्रिय मसालों में से एक है। लेकिन यह एक प्रभावी जड़ी-बूटी भी है। जी हां, आयुर्वेद में हल्दी के सैकड़ों तरह के औषधीय उपयोग हजारों सालों से मौजूद हैं।

**त्रिदोष को करती है दूर:** आयुर्वेद में हल्दी को 'त्रिदोष नाशक' माना गया है। बहुत कम ऐसी चीजें होती हैं, जिनमें वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की क्षमता होती है। हल्दी कुछ गिनी-चुनी औषधियों में से है, जिसमें इन तीनों को संतुलित करने का गुण पाया जाता है। इसलिए हल्दी को त्रिदोष नाशक कहा जाता है।

**होते हैं अनेक औषधीय गुण:** जिन्हें सूजन से संबंधित परेशानियां होती हैं, जैसे गठिया आदि में अपने एंटीइंफ्लेमेट्री गुण के कारण हल्दी सूजन को कम करती है और परेशानी से राहत पहुंचाती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाते हैं। हल्दी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। हल्दी के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में बेहद

फायदेमंद है। कहीं कट-फट जाए तो हल्दी का पेस्ट ऐसे घावों और संक्रमण को तेजी से ठीक करने में मददगार होती है। दाग, धब्बों, मुहांसों और त्वचा संबंधी दूसरी परेशानियों को हल्दी दूर करती है। हल्दी रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण करने में मदद करती है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक करक्यूमिन कैंसररोधी होता है। इसलिए हल्दी के सेवन से कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद मिलती है। हल्दी का पेस्ट त्वचा की जलन, खुजली, एग्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है। हल्दी को दूध में मिलाकर या काढ़े के रूप में पीने से गले की खराश दूर होती है। सर्दी लगने पर भी फायदेमंद होती है।

**इन बीमारियों में भी है कारगर:** जिन्हें लगातार अपच, एसिडिटी और पेट दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें अदरक के साथ मिलाकर कच्ची हल्दी भूनकर चूसना चाहिए या दांतों से चबाकर उसका रस पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी ये सारी शिकायतें खत्म हो जाती हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्स करने में और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होती है। जो घाव लंबे समय से भर न रहा हो, उसमें शुद्ध शहद में हल्दी के पावडर को मिलाकर लेप करना चाहिए। डायबिटीज की समस्या में कच्ची हल्दी के रस का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है। हल्दी रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित करती है। क्योंकि हल्दी दिमाग की सूजन को कम करती है, इसलिए यह याद्दाश्त सुधारने में मददगार होती है। जिन्हें अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या हो, उन्हें हल्दी का सेवन करना चाहिए। ✱

योगोपचार
दिव्यज्योति 'नंदन'

# युवाओं का पसंदीदा योगासन
# पार्श्व उपविष्ठ कोणासन

वैसे तो अधिकांश आसन युवा लोग कर सकते हैं, इसके लाभ उठा सकते हैं। लेकिन पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, ऐसा आसन है, जिसे युवा बहुत पसंद करते हैं। इसकी क्या वजह है, इसे करने की विधि, लाभ और सावधानियों के बारे में जानिए।

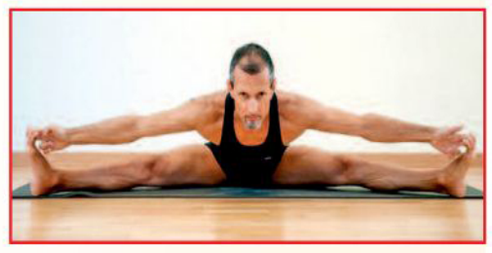

पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, जिसे अंग्रेजी में वाइड एंगल सीटेड फॉरवर्ड वेंड पोज या संक्षेप में साइड सीटेड एंगल पोज भी कहते हैं, युवाओं को सूर्य नमस्कार की तरह सबसे ज्यादा पसंदीदा आसनों में से एक है। शायद इसकी वजह यह भी है कि यह एक ऐसा आसन है, जिसे ज्यादा बूढ़े या अधेड़ लोग मुश्किल से कर पाते हैं और बच्चों को इसे करने की जरूरत नहीं होती। इस तरह यह मूलतः युवाओं का ही आसन माना जाता है, क्योंकि इस आसन के लिए जितनी फ्लेक्सिबिलिटी की जरूरत होती है, उतनी लोच-लचक आमतौर पर युवाओं में ही आसानी से मिलती है।

**इससे होने वाले फायदे:** नियमित रूप से उपविष्ठ कोणासन करने से कई तरह के फायदे होते हैं। इस आसन से पैरों के निचले और भीतरी हिस्से को अच्छा स्ट्रेच मिलता है, जिससे वे सुडौल और टोंड दिखती हैं। इसे करने से पेट के भीतरी अंग भी टोंड और स्टिमुलेट होते हैं। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। शरीर को रिलैक्स और दिमाग को शांत करता है। इससे साइटिका और अर्थराइटिस की समस्या दूर होती है। इसके अभ्यास से किडनी स्वस्थ और सक्रिय रहती है। यह युवाओं के लिए विशेष रूप से सिक्स पैक एब्स हासिल करने में मददगार होता है। यह अस्थमा से राहत दिलाता है। इससे लोअर बॉडी का फैट कम होता है तथा वजन को कम करता है।

**करने का सही तरीका:** सबसे पहले अपने योगा मैट पर बिल्कुल सीधे होकर बैठ जाएं। अब दोनों पैरों को जितना संभव हो, एक-दूसरे के विपरीत 90 डिग्री के कोण में फैलाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने दोनों पैरों के पंजों को आगे की तरफ झुकाए रखें और दोनों पैरों को जितना सहा जा सकता हो, उतना सीधा करें। इस अवस्था में कमर के नीचे के हिस्से में जितना झुकाव महसूस होगा, उतना ही अच्छे से यह आसन होगा। लेकिन इसे करने के पहले इस बात पर ध्यान दें कि सारे योगाचार्यों ने इस आसन के बारे में खासतौर पर कहा है कि अगर असुविधा महसूस हो रही हो तो इसे तुरंत बंद कर दें। शुरुआती दौर में यह करने के लिए मुलायम गद्दी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस आसन में अपनी दोनों हथेलियों को हिप्स के पीछे योगा मैट पर रखें और लंबी-गहरी सांसें भीतर की तरफ खींचें। कुछ सेकेंड तक इस स्थिति में रुकें और फिर जब पैरों को अच्छा स्ट्रेच महसूस होने लगे, तब सांस छोड़ते हुए पेट को भीतर की तरफ खींचें और सामने की तरफ झुक जाएं। अब अपने दोनों हाथों को भी धीरे-धीरे सामने की तरफ लाएं। स्पाइन को जितना हो सके स्ट्रेच करें। एक मिनट से ज्यादा इसे न करें। एक मिनट के बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पुरानी सामान्य स्थिति में वापस आएं। घुटनों को मोड़ें और पैरों को फिर से एक साथ सीध में लाएं।

**बरतें सावधानी:** उपविष्ठ कोणासन करते समय कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें। इसे तब बिल्कुल न करें, जब रीढ़ की हड्डी में दर्द हो। अगर किसी तरह की गंभीर बीमारी से गुजर रहे हैं तो भी इसे न करें। गर्दन में दर्द हो, कंधों में दर्द की समस्या रहती हो, घुटनों में दर्द या अर्थराइटिस हो तो यह आसन करने से बचें और करें भी तो किसी योग्य योगाचार्य की मौजूदगी में ही करें। जब तक अच्छी तरह सीख न जाएं, तब तक उपविष्ठ कोणासन योगा ट्रेनर की मौजूदगी में ही करें, कभी अपने आप न करें। जब दक्ष हो जाएं तब अकेले करें। ✱

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

# ब्लड डोनेशन से नहीं होता किसी तरह का नुकसान

हालांकि ब्लड डोनेशन को लेकर समाज में कई तरह के मिथ प्रचलित हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ब्लड डोनेशन से कोई नुकसान नहीं होता। इससे कई तरह के फायदे ही होते हैं। इस बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

समय-समय पर रक्तदान करना यानी ब्लड डोनेशन के बारे में आप जरूर जानते होंगे। इसमें रक्तदान आयोजित करने वाले कैंप्स में ब्लड ग्रुप के अनुसार ब्लड एकत्रित किया जाता है और जब किसी को रक्त की जरूरत हो, तो उसे यह रक्त चढ़ाया जाता है।

**प्रचलित हैं भ्रांतियां:** यह बहुत हैरत की बात है कि रक्तदान करने के नाम पर हमारे समाज में कई मिथ और धारणाएं प्रचलित हैं कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आ जाती है और अपने रक्त को किसी को यूं ही क्यों दान दे दिया जाए की सोच के चलते लोग रक्तदान करने से कतराते हैं। हकीकत में ऐसा नहीं है। रक्तदान करने का मतलब है, किसी को जीवनदान देना। रक्तदान एक ऐसा दान है, जिसे कोई भी स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है। क्या आपको पता है कि आपके एक यूनिट रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है?

**क्या है रक्तदान:** रक्तदान करने से पहले रक्तदान करने वाले यानी डोनर के शरीर की कुछ विशेष किस्म की जांच की जाती है और उसके रक्त की गुणवत्ता की जांच करने के बाद ही उससे रक्तदान कराया जाता है। इसमें डोनर के ब्लड के करीब ढाई सौ मिलीलीटर रक्त की मात्रा को मशीन की सहायता से एक बैग में जमा किया जाता है। इस बैग को परीक्षणों के बाद ब्लड बैंकों में स्टोर कर दिया जाता है और इस जमा ब्लड को मरीज की जरूरत के अनुसार दिया जाता है।

**इसका रखें ध्यान:** अगर आप रक्तदान करना चाहते हैं, तो इसके लिए समय-समय पर विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों द्वारा विभिन्न अस्पतालों में या डिस्पेंसरीज में रक्तदान के कैंप आयोजित किए जाते हैं। जहां जाकर आप रक्तदान कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। चिकित्सक मेडिकल चेकअप के बाद आपका ब्लड लेते हैं। इस प्रक्रिया में 10 से 15 मिनट लगते हैं।

**कौन कर सकता है रक्तदान:** रक्तदान करने के लिए रक्तदाता का सेहतमंद होना जरूरी है। उसका वजन कम से कम 50 किलोग्राम हो और उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने पर रक्तदान कर सकता है। यदि उस व्यक्ति के घर में किसी को इमरजेंसी में रक्त की जरूरत हो तो एक महीने के बाद भी डॉक्टर उसे रक्तदान की इजाजत दे देते हैं। रक्तदान करते समय रक्त देने वाले का ब्लड प्रेशर, तापमान और नाड़ी की गति सामान्य होनी चाहिए। हीमोग्लोबिन लेवल भी 12.5 से कम नहीं होना चाहिए।

**कौन नहीं कर सकता रक्तदान:** हेपेटाइटेस बी, सी, टीबी, लैप्रोसी, एचआईवी, अस्थमा के मरीज, दिल के मरीज रक्तदान नहीं कर सकते। यदि किसी महिला की डिलीवरी हुई हो या वह बच्चे को दूध पिला रही हो तो उसका भी रक्तदान स्वीकार नहीं होता। मासिक धर्म के दौरान, मिस कैरेज के 6 महीने के भीतर, टैटू, पियर्सिंग कराने के 6 महीने के भीतर ब्लड डोनेट नहीं किया जा सकता। वैक्सीनेशन, एंटीबॉयाटिक, आयुर्वेद, होम्योपैथिक दवाइयों का नियमित सेवन करने वालों को भी रक्तदान के लिए पात्र नहीं समझा जाता।

**ब्लड डोनेशन के फायदे:** विभिन्न अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि नियमित रक्तदान करने वालों में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। ब्लड प्रेशर में भी कमी आती है, जिससे हार्ट अटैक के खतरे कम होते हैं। यह कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है। रक्तदान करने से पहले बहुत सारी जांचें की जाती हैं, जिससे शरीर में किसी भी किस्म के विकार का पता चल जाता है। रक्तदान का सबसे बड़ा लाभ तो यह होता है कि मन में फील गुड आता है कि हमने समाज के लिए कुछ अच्छा कार्य किया है और हमारे रक्त से अगर किसी की जान बच जाती है तो यह भी एक पुण्य का कार्य है। ✱

**रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका**

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

## मिसेज के बाद, सान्या मल्होत्रा का जादू जारी! मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट ओटीटी पर ट्रेंड

**सान्या मल्होत्रा न सिर्फ सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर भी अजेय अभिनेत्री साबित हो रही हैं! मिसेज में उनके प्रदर्शन के लिए अपार सराहना के बाद, दर्शक अब उनकी पिछली फिल्मों को फिर से देख रहे हैं, जिससे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर मीनाक्षी सुंदरेश्वर 4 पर और पगलैट 5 पर ट्रेंड कर रही है।**

सान्या मल्होत्रा ने एक भावनात्मक सोशल मीडिया स्टोरी के माध्यम से अपने प्रशंसकों को अपनी आभार व्यक्त की, आप सभी के प्यार और स्नेह के लिए बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। तहे दिल से धन्यवाद। रिलीज से पहले ही मिसेज ने कई समारोहों में स्टैंडिंग ओवेशन और एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार के साथ काफी सराहना अर्जित की। अब प्रशंसक सान्या की पिछली भूमिकाओं में वापस देख रहे हैं, और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को फिर से सराहना कर रहे हैं। आकर्षक मीनाक्षी सुंदरेश्वर से, जहां उन्होंने लॉन्ग डिस्टेंस की शादी को खूबसूरती से चित्रित किया। पगलैट में, जहां उन्होंने एक युवा विधवा के दुख से उबरते हुए अपने सूक्ष्म प्रदर्शन से दिल जीता है, सान्या की सिनेमाई यात्रा दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित करती रही है। अब, मिसेज के ओटीटी पर स्ट्रीमिंग हो रही है और दर्शकों से लगातार प्यार मिल रहा है, उनकी पिछली परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान एक कलाकार के रूप में उनके प्रभाव को और उजागर करता है। धर्मा प्रोडक्शंस के साथ उनके आगामी प्रोजेक्ट सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फैन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां सान्या बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। हर भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने की उनकी क्षमता उनकी पीढ़ी के सबसे आकर्षक अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उनकी जगह को मजबूत करती है।

# कल्कि... फेम नाग अश्विन की फिल्म कर सकती हैं आलिया

लिया भट्ट इन दिनों संजय लीला आखाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विकी कौशल नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद आलिया अपनी अगली फिल्म की तलाश में थीं और अब खबर है कि उनकी यह तलाश लगभग पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, आलिया कल्कि 2898 एडी के निर्देशक नाग अश्विन के साथ एक नई फिल्म के लिए बातचीत के अंतिम चरण में हैं।

### कल्कि 2 के पहले एक और फिल्म बनाना चाहते हैं नाग

सूत्रों के अनुसार, नाग अश्विन कल्कि 2898 एडी के अगले भाग से पहले एक नई फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें आलिया मुख्य भूमिका में होंगी। इस प्रोजेक्ट की कहानी और जॉनर को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। सूत्र ने बताया, नाग अश्विन एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो उनके दिल के करीब है।

### पहले लव... की शूटिंग पूरी करेंगी आलिया

फिलहाल, इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में है लेकिन अभी तक पेपर वर्क पूरा नहीं हुआ है। इस फिल्म को हैदराबाद स्थित प्रोडक्शन हाउस वैजयंती फिल्म्स के बैनर तले बनाया जाएगा। आलिया पहले लव एंड वॉर की शूटिंग

का शेड्यूल पूरी तरह क्लियर करना चाहती हैं, ताकि वह नवंबर से किसी नए प्रोजेक्ट को कमिट कर सकें। नाग अश्विन भी अपनी इस फिल्म को एक तय समय में पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि 2026 के सेकंड हाफ में उन्हें कल्कि 2898 एडी 2 पर काम शुरू करना है।

### अभिषेक पाठक की फिल्म पर भी बातचीत जारी है

आलिया, अश्विन के साथ पहली बार काम करेंगी। दोनों की क्रिएटिव सोच मेल खा रही है और अब सिर्फ डेट्स और अन्य औपचारिकताओं को फाइनल किया जा रहा है। पिछले साल आलिया निर्देशक अभिषेक पाठक की रोमांटिक फिल्म ह्याउसवाइफ भी साइन करने के करीब थीं और इस पर बातचीत अभी भी जारी है। वहीं आलिया के खाते में अल्फा और चामुंडा भी हैं।

## छावा फिल्म करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है

मुक्काबाज, गैंग्स ऑफ वासेपुर, बॉम्बे टॉकीज और गोल्ड जैसी फिल्मों के लिए मशहूर विनीत कुमार सिंह हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा में दमदार किरदार निभाते नजर आए। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई है। कवि कलश, संभाजी महाराज के करीबी दोस्त थे। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें फैंस की तारीफ मिल रही है। अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि एक अभिनेता के तौर पर यह सबसे जरूरी है कि आप ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनें, जिनकी कहानी फैंस के दिलों को छू जाए। मैं हमेशा से ऐसी ही कहानी चुनने के बारे में सोचता हूं, जो फैंस को इंस्पायर करें या आपको कुछ नया महसूस करवाए। मुक्केबाज के बाद एक ऐसा समय था, जब मेरे पास काम नहीं था लेकिन आज मैं उस फिल्म का हिस्सा हूं, जिसे करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है। विनीत ने जताया सभी का आभार विनीत कुमार कवि कलश इस खूबसूरत और दमदार किरदार निभाने का मौका मिला। जिंदगी अपने तरीके से सबक सिखाती है, कभी-कभी मुश्किल होता है लेकिन हमेशा सार्थक होता है। जिन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया, उन सभी को धन्यवाद। विनीत ने सभी अभिनेताओं, निर्देशकों और पत्रकारों को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया और जीवन में कभी हार न मानने का कारण दिया। आशा करता हूं कि अब लोग नहीं पूछेंगे कि आपका नाम क्या है?

## नानी की हिट 3 में फैंस को मिलेगा खास सरप्राइज, अदिवी शेष की होगी एंट्री

हिट नानी द्वारा निर्मित एक बेहद सफल फ्रेंचाइजी है, जिसके पहले भाग में विश्वक सेन मुख्य भूमिका में थे। वहीं, फिल्म के भाग में अदिवी शेष ने अभिनय किया था, अब इसके तीसरे भाग में नानी मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है और हिट- द थर्ड केस मई 2025 में रिलीज के लिए तैयार है। वहीं, इस फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, खबर है कि अदिवी शेष भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक ने उनके लिए एक मजबूत किरदार तैयार किया है और उनका दिखना दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित हिट 3 एक विस्तारित कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है और इसे नानी द्वारा भारी बजट पर निर्मित किया जा रहा है। नानी इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में अर्जुन सरकार का किरदार निभाएंगे।

## ऋचा चड्ढा ने अनाउंस की अपनी नई फिल्म

ऋचा चड्ढा को पिछली बार वेब सीरीज हीरामंडी में देखा गया था। संजय लीना भंसाली की यह पहली वेब सीरीज है। अब ऋचा ने घोषणा की है कि वे खुद अपनी ही लिखी लव स्टोरी में अभिनय करने जा रही हैं। फिल्म का नाम फिलहाल आखिरी सोमवार रखा गया है। फिल्म की कहानी एक टीवी रियलिटी शो के निर्माता के बारे में है। इस निर्माता को जब ऑफिस में कोई चाइल्डिस कैट लेडी कह देता है तो वह उससे शादी करने की ठान लेती है। ऋचा ने कहा... मिडिल क्लास पंजाबी परिवार में बड़े होने से मेरा एक्सपीरियंस ऐसा रहा। मेरे सभी बड़े कजिन ने अरेंज मैरिज की है। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है जो एक परिवार के इर्द गिर्द ही घूमती है, यह एक फैमली मूवी है, जो आपके साथ आपके परिवार को भी पसंद आएगी। जब हम कॉलेज से पास होते हैं, तो बहुत सारे सपने लेकर बाहर आते हैं। कोई नौकरी में जाता है कोई बिजनेस में। जब आप 30 के होते हैं तो एक नौकरी और परिवार दोनों की आशा रखते हैं, लेकिन समाज को लगता है कि बहुत देर हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल जानकारी नहीं है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

## करण जौहर ने राजामौली की फिल्मों के लिए की बात!

**बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में कहानी कहने पर अपनी राय व्यक्त की। उनका मानना है कि फिल्म मेकिंग में तर्क से ज्यादा दृढ़ विश्वास जरूरी होता है। एक फिल्ममेकर का अपने विजन में अटूट विश्वास, दर्शकों को सबसे असंभव सीन्स को भी स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकता है।**

उन्होंने साउथ के फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली, संदीप वांगा रेड्डी और अनिल शर्मा के कामों का उदाहरण दिया। करण जौहर ने इंटरव्यू में कहा कि जब तर्क उम्मीदों को पूरा करने में सफल नहीं होता है, तब फिल्मों में दृढ़ विश्वास को प्रयॉरिटी दी जाती है। उनका मानना है कि ग्रेटेस्ट फिल्ममेकर और उनके ब्लॉकबस्टर काम वास्तव में दृढ़ विश्वास से प्रेरित होते हैं और उनके लिए तर्क मायने नहीं रखता।

### राजामौली की फिल्मों में तर्क कहां?

करण जौहर ने एसएस राजामौली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उनकी फिल्में कहानी कहने के अपने आत्मविश्वास के जरिए दर्शकों को आकर्षित करती हैं। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए राजामौली सर की फिल्मों को ही लें। आप तर्क कहां देख सकते हैं? ये एनिमल, आरआरआर और गदर सहित सभी बड़ी ब्लॉकबस्टर के लिए सही है।

### गदर फिल्म का भी किया जिक्र

उन्होंने गदर फिल्म के बड़े-बड़े सीन का जिक्र किया। करण ने कहा कि एक शख्स का अकेले ही हैंडपंप से 1 हजार लोगों को हराना तर्क की बात नहीं है, बल्कि डायरेक्टर अनिल शर्मा के इस यकीन की बात है कि सनी देओल ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनिल ने सनी के किरदार को इतना भरोसेमंद बनाया कि दर्शकों को उनकी क्षमताओं पर यकीन हो गया।

### धड़क 2 होगी रिलीज

प्रोजेक्ट्स की बात करें तो करण ने 2023 में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का डायरेक्शन किया था। इसमें आलिया भट्ट और रणवीर सिंह लीड रोल में थे। इनके अलावा शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन भी नजर आए थे। अब उनके प्रोडक्शन की फिल्म धड़क 2 रिलीज होगी।

## कृति सेनन ने शुरू की तेरे इश्क में की शूटिंग

कृति सेनन ने आनंद एल राय की फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें वह पहली बार धनुष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। कृति ने तस्वीर साझा कर लिखा- चलो चलते हैं। सेट पर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह कर रही हूं जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। इससे पहले, अभिनेता धनुष का सेट से वीडियो वायरल हुआ था, जहां उन्हें दिल्ली के एक कॉलेज में फिल्म की शूटिंग करते हुए देखा गया था। रांझणा (2013) और अतरंगी रे (2021) के बाद आनंद और धनुष एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। निर्देशक ने तेरे इश्क में और रांझणा के बीच विषय की समानताओं का संकेत दिया था, लेकिन आश्वासन दिया कि नई फिल्म एक अनूठी रचना होगी। कृति को आखिरी बार नेटफ्लिक्स फिल्म दो पत्ती में देखा गया था, जबकि धनुष ने रयान में अभिनय किया था, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया था।

- साभार एजेंसी

# मुझे अक्सर संदेह होता था कि मैं फिर से खेल पाऊंगा या नहीं: शमी

**दुबई, एजेंसी।** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि 2023 में टखने की चोट से पीड़ित होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी कितनी कठिन रही है और उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ जब उन्हें लगा कि उन्हें देश के लिए फिर से खेलने का मौका कभी नहीं मिलेगा। शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। वह 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के बाद से देश के लिए नहीं खेले थे, जहां तेज गेंदबाज टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। शमी ने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में बंगाल के पांचवें दौर के मैच के माध्यम से पेशेवर क्रिकेट में सफल वापसी की, जहां उन्होंने अपनी टीम की जीत में सात विकेट लिए।

उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बंगाल की गेंदबाजी का नेतृत्व भी किया, जिसमें 11 मैचों में 7.85 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट चटकाए, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ 3-21 रहा।

हालांकि, चोट के फिर से उभरने के कारण पेसर पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ से बाहर हो गए। लेकिन, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मुकाबलों में भाग लेकर सफल वापसी की। अब वह गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में देश के लिए खेलते हुए अपनी वापसी को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में होने से लेकर अचानक खुद को ऑपरेटिंग टेबल पर पाना और फिर चोटिल होना वाकई बहुत कठिन था। शमी ने आईसीसी से कहा, डॉक्टर से मेरा पहला सवाल था मुझे मैदान पर वापस आने में कितने दिन लगेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता आपको चलाना, फिर जॉगिंग और फिर दौड़ना सिखाना है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बारे में सोचना अभी भी एक दूर का लक्ष्य है।मैं हमेशा सोचता था कि मैं कब फिर से अपने पैर जमीन पर रख पाऊंगा, जो व्यक्ति लगातार मैदान पर दौड़ने का आदी है, वह अब बैसाखी पर है। मेरे दिमाग में बहुत सारे विचार आते थे। क्या मैं फिर से ऐसा कर पाऊंगा? क्या मैं बिना लंगड़ाए चल पाऊंगा?

उन्होंने कहा, पहले दो महीनों में, मुझे अक्सर संदेह होता था कि क्या मैं फिर से खेल पाऊंगा क्योंकि इस तरह की चोट के बाद 14 महीने का ब्रेक आपको नीचे गिरा सकता है÷ शमी ने कहा कि एक बार फिर बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा ने उन्हें दर्द की बाधा को पार करने की ताकत दी। 60 दिनों के बाद जब उन्होंने मुझे अपने पैर जमीन पर रखने के लिए कहा, तो आप मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन मैं अपने पैर जमीन पर रखने से पहले से कहीं ज्यादा डर गया था। ऐसा लगा जैसे मैं फिर से शुरुआत कर रहा हूं, जैसे कोई बच्चा चलना सीख रहा हो और मैं किसी भी जटिलता के बारे में चिंतित था। देश के लिए खेलने का साहस और जुनून सबसे बड़ी प्रेरणा है और सीने पर भारत का बैज पहनने की इच्छा ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

## स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के पिता का हुआ निधन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी जिनकी गिनती इस समय देश के सबसे बेहतरीन बैडमिंटन प्लेयर्स में की जाती है उनके लिए 20 फरवरी का दिन किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी जो अभी दिल्ली में चल रहे 43वें पीएसपीबी इंटर यूनिट बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं उन्हें गुरुवार यानी 20 फरवरी के दिन खेल रत्न पुरस्कार भी मिलना था जिसमें उनका परिवार भी दिल्ली पहुंचने वाला था, लेकिन उससे पहले सात्विकसाईराज के पिता काशी विश्वनाथम का 65 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 24 साल के सात्विकसाईराज अपने पिता के निधन की खबर मिलने के बाद टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर घर के लिए रवाना हो गए हैं। भारतीय बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को लेकर बात की जाए तो उनके पिता काशी विश्वनाथम एक रिटायर्ड फिजिकल एजुकेशन टीचर थे। खबर के अनुसार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पिता के निधन की खबर उनके परिवार के एक करीबी सूत्र ने दी जिसमें उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है.

**चैंपियंस ट्रॉफी 2025: भारत-बांग्लादेश**

# तौहीद हृदोय का पहला वनडे शतक शमी ने लिए 5 विकेट

**दुबई, एजेंसी।** चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश ने भारत को 229 रन का टारगेट दिया। दुबई में गुरुवार को बांग्लादेश ने बैटिंग चुनी। टीम ने 36 रन पर 5 विकेट गंवाने के बाद भी 49.4 ओवर में 228 रन बना लिए। तौहिद हृदोय ने सेंचुरी लगाई। उन्होंने 118 बॉल पर 100 रन की पारी खेली। जाकिर अली 68 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लिए। हर्षित राणा ने 3 विकेट झटके। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले। बांग्लादेश से 4 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सके।

## पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, फखर जमां टूर्नामेंट से बाहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का आगाज अच्छा नहीं रहा. पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया. वहीं, अब पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है. दरअसल, पाकिस्तान के ओपनर फखर जमां टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फखर जमां चैंपियंस ट्रॉफी के बाकी बचे मैचों में खेल नहीं पाएंगे.

**भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका**

इससे पहले गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ फखर जमां चोट का शिकार हो गए थे. पाकिस्तानी ओपनर को चोट फील्डिंग के दौरान लगी थी. बहरहाल, अब भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले फखर जमां का बाहर होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. फखर जमां टूर्नामेंट के आगामी मैचों में नजर नहीं आएंगे. इसके अलावा वह पाकिस्तानी टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे. दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला दुबई में 23 फरवरी को खेला जाएगा.

# सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

**मैड्रिड, एजेंसी।** एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने बुधवार को घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं। पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं।

**जनवरी में कर लिया था फैसला**

डी मार्कोस ने क्लब के लेज़ामा प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी। उन्होंने कहा, यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा। हालांकि, इस बार मुझे पूरा यकीन था कि यही सही समय है।

**शानदार करियर का समापन**

इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है। डी मार्कोस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं, और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया।

**अलग-अलग भूमिकाओं में चमक। करियर**

ऑस्कर डी मार्कोस ने अपने करियर की शुरुआत एक फॉरवर्ड के रूप में की थी। अपने 16 साल के करियर में वह विंगर और अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में भी खेले, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राइट बैक की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 39 गोल भी किए।

**दान कार्यों में भी रहे सक्रिय**

डी मार्कोस न केवल अपने खेल के लिए बल्कि मानवीय कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में बच्चों से मुलाकात, और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में चैरिटी यात्राओं जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अब, जब वह अपने शानदार करियर को अलविदा कहने की तैयारी कर रहे हैं, तो फुटबॉल जगत में उनकी जगह हमेशा सम्मान के साथ याद की जाएगी।

**टेनिसः**

**दुबई टेनिस टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर, सबालेंका बाहर**

# कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अल्काराज

**दुबई, एजेंसी।** अल्काराज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प को 6-4, 6-4 से हराकर पांचवीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच तय किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने लुका नारडी को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-1, 4-6, 6-3 से हराकर दोहा में जारी कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका दुबई टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही।

स्पेन के 21 वर्षीय अल्काराज दूसरे सेट में एक समय 4-1 से आगे था लेकिन इटली के खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार वापसी करके मैच को तीसरे और निर्णायक सेट तक खींच दिया। अल्काराज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प को 6-4, 6-4 से हराकर पांचवीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच तय किया।

चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जज़ी बर्ग्स को 6-2, 6-1 से हराया। वह अंतिम आठ में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे से भिड़ेंगे। जैक ड्रेपर ने क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6-2, 6-1 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्होंने टालोन ग्रिक्सपुर को 7-6 (4), 6-7 (6), 6-4 से हराया। बेरेटिनी ने पिछले दौर में नोवाक जोकोविच को हराया था।

सबालेंका बाहर, स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में

वहीं, दुबई टेनिस टूर्नामेंट में डेनमार्क की क्लारा टौसन ने सबालेंका को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना लिंडा नोस्कोवा से होगा। चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 (8) से हराया। स्वियातेक ने दयाना यास्त्रेम्स्का को 7-5, 6-0 से शिकस्त दी।

उनका अगला मुकाबला मीरा एंड्रीवा से होगा, जिन्होंने पीटन स्टर्न को 6-1, 6-1 से हराया। मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सोफिया केनिन ने 6-4, 6-0 से पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में केनिन का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा।

रयबाकिना ने नौवीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को 4-6, 7-6 (8), 7-6 (2) से हराया। सोराना क्रिस्टिया ने एम्मा नवारो को 7-6 (5), 3-6, 7-5 से पराजित किया। रोमानिया की खिलाड़ी का अगला मुकाबला कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने पहले मेकार्टनी केसलर को 6-3, 1-6, 7-6 (5) से हराया।

# रेफरी को अपशब्द कहने पर जूड बेलिंगहैम पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

**मैड्रिड, एजेंसी।** स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ ) की अनुशासनात्मक समिति ने रियल मैड्रिड के इंग्लिश मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह कार्रवाई उन्हें ओसासुना के खिलाफ पिछले शनिवार को खेले गए मैच में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद की गई है।

मैच के पहले हाफ में रेफरी जोस लुइस मुनुएरा मोंटेरो ने बेलिंगहैम को अपशब्द कहने के आरोप में बाहर भेज दिया था। हालांकि, आरएफईएफ ने बेलिंगहैम को रेफरी के प्रति अनादर का दोषी पाया है, जिसके चलते उन्हें दो मैचों के लिए निलंबित किया गया। यदि उन्हें रेफरी का अपमान करने का दोषी माना जाता, तो उनका प्रतिबंध 4 से 12 मैचों तक बढ़ सकता था। इस फैसले के बाद रेफरी मुनुएरा को सोशल मीडिया पर धमकियों और अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए सैकड़ों अपमानजनक संदेश भेजे गए, जिससे मजबूर होकर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद कर दी हैं।

# श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुई न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड

**वेलिंगटन, एजेंसी।** न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की गंभीर चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब है कि वह श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के दौरान बाएं घुटने में मेनिस्कस की चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उनकी रिकवरी में करीब 12 सप्ताह लगने की उम्मीद है। मुख्य कोच बेन सॉयर ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यह मौली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर रोज़ बाउल श्रृंखला में उनके प्रभावी प्रदर्शन के बाद। हालांकि, सकारात्मक बात यह है कि वह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तक फिट हो सकती हैं। पेनफोल्ड ने अब तक 14 वनडे में 9 और 10 टी20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए हैं। पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेसिन रिज़र्व में उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट झटके थे, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

**सोफी डिवाइन भी श्रीलंका के खिलाफ नहीं खेलेंगी**

न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ अपने स्टार खिलाड़ी सोफी डिवाइन के बिना भी उतरना होगा। डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले रखा है और उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्धता को लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। न्यूजीलैंड अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा, जिसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेगा।

# 44 साल की उम्र में वीनस विलियम्स की कोर्ट पर वापसी, इंडियन वेल्स में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला

**इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया), एजेंसी।** सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने 19 मार्च, 2024 को मियामी ओपन के पहले दौर में हार के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है।

वीनस विलियम्स को अगले महीने इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है जो इस 44 वर्षीय खिलाड़ी का पिछले एक साल में पहला टूर्नामेंट होगा। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने 19 मार्च, 2024 को मियामी ओपन के पहले दौर में हार के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। वीनस ने पहली बार 1994 में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में भाग लिया था। उनके नाम पर विंबलडन में पांच और अमेरिकी ओपन में दो एकल खिताब दर्ज हैं। वीनस ने इसके साथ ही अपनी छोटी बहन सेरेना के साथ मिलकर 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीते हैं।

जिन अन्य खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है उनमें दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्वितोवा भी शामिल हैं जो अपने पहले बच्चे को जन्म देने के कारण 15 महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं।

# जसपाल और मनु भाकर का गोल्डन रिश्ता टूटेगा नहीं

**ओलंपिक के बाद अब वर्ल्ड चैंपियनशिप पर निशाना**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला शूटर मनु भाकर ने जसपाल राणा को लेकर चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने साफ किया है कि भारतीय कोच के साथ वो जुड़ी रहेंगी. जसपाल राणा को भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ की ओर से पिस्टल शूटिंग के लिए ह्यई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किए जाने के बावजूद दोनों का 'गोल्डन रिश्ता' नहीं टूटेगा.

वो मनु के कोच बने रहेंगे. बता दें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड जीतने वाले जसपाल राणा और मनु के बीच टोक्यो ओलंपिक से पहले मतभेद हो गए थे. लेकिन इन सभी मतभेदों को भुलाकर दोनों पेरिस ओलंपिक के लिए फिर से जुड़े थे. इसके बाद दोनों की जोड़ी ने मिलकर इतिहास रच दिया था.

मनु भाकर का मानना है कि जसपाल राणा के गाइडेंस के बिना उन्हें सफलता नहीं मिल पाती. NRAI में मिले नए रोल के बावजूद वो उन्हें अपना मेंटॉर मानती हैं. मनु ने कहा 'मैं इतना ही कहूंगी कि वो मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं.

वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिए बहुत ही शानदार कोच रहे हैं. जाहिर है कि वो किसी के भी कोच हो सकते हैं लेकिन मेरे लिए वो मेरे कोच हैं.'

**वर्ल्ड चैंपियनशिप पर निशाना**

मनु भाकर पिछले कुछ समय से एल्बो इंजरी से जूझ रही थीं. इस चोट से रिकवर करने के लिए उन्होंने लंबा ब्रेक लिया था और हर तरह की प्रतियोगिता से दूर थीं. लेकिन अब उन्होंने वापसी कर ली है.

दोबारा वापसी करने के बाद नेशनल ट्रायल्स के दौरान वो रिदम सांगवान के बाद दूसरे नंबर पर रही थीं. पेरिस ओलंपिक के बाद उनका अगला निशाना वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मनु भाकर अप्रैल में होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी.

वहीं जून में घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए उतरेंगी. इसके बाद म्यूनिख में होने वाले एक और वर्ल्ड कप में अपनी दावेदारी पेश करेंगी. लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य कैरो में होने वाला वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मनु ने भविष्य की प्लानिंग को लेकर कहा 'हम अप्रैल में वर्ल्ड कप में जाएंगे और उसके बाद जून में घरेलू प्रतियोगिताएं हैं. म्युनिख में फिर वर्ल्ड कप और अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मेरा लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है.'

# अगर मस्क भारत में टेस्ला की फैक्टरी शुरू करते हैं तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर एलन मस्क की टेस्ला कंपनी भारत के शुल्क से बचने के लिए वहां फैक्टरी का निर्माण करती है, तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा। ट्रंप की यह टिप्पणी शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि करने के उनके बयानों के बीच आई है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। हाल में फॉक्स न्यूज के सीन हैनिटी के साथ साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि उनकी बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक शुल्क वसूलता है। ट्रंप ने कहा कि मस्क के लिए भारत में कार बेचना असंभव है। उन्होंने कहा, दुनिया का हर देश हमारा फायदा उठाता है और वे शुल्क लगाकर ऐसा करते हैं... उदाहरण के लिए भारत में व्यावहारिक रूप से कार बेच पाना असंभव है। ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा, अगर वह (मस्क) भारत में फैक्टरी बनाते हैं तो ठीक है, लेकिन यह हमारे साथ अन्याय होगा।

यह बहुत अनुचित है। सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख मस्क भी इस साक्षात्कार के दौरान मौजूद थे। कुछ दिन पहले इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्ती निकाली थी, जिसमें बिजनेस ऑपरेशन एनालिस्ट और कस्टमर सपोर्ट स्पेशलिस्ट शामिल हैं। इस कदम को कंपनी के भर्ती आवेदन के अनुसार, ये पद मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के लिए हैं। साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मोदी के साथ शुल्क के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा... आपको यह करना होगा। हम आपके साथ बहुत निष्पक्ष रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत द्वारा लगाए गए शुल्क 36 प्रतिशत हैं, इस पर ट्रंप ने कहा, यह बहुत बहुत ज्यादा है। मस्क ने कहा, यह 100 प्रतिशत है - ऑटो आयात 100 प्रतिशत है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, हम यहां जो करने जा रहे हैं, वह है जवाबी शुल्क। हम जवाबी शुल्क लगाएंगे। आप जो भी हमसे शुल्क वसूलेंगे हम आप पर भी उतना ही शुल्क लगाएंगे। मस्क ने कहा, ये ठीक बात है।

## एयर फोर्स वन के लिए पुराने विमानों को खरीदने पर विचार कर रहे ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति के उपयोग के लिए विशेष रूप से संशोधित दो एयर फोर्स वन विमानों के उत्पादन में देरी को लेकर बोइंग के प्रति नाराजगी जताते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह यात्रा के लिए संभवतः किसी विदेशी विक्रेता से बोइंग के पुराने विमान खरीदने पर विचार कर रहे हैं। वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे लगभग 35 वर्ष पुराने दो बोइंग 747-200 विमानों में से एक पर सवार ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हम विकल्प पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि बोइंग को बहुत अधिक समय लग रहा है। ट्रंप ने कहा, हम विमान खरीद सकते हैं और फिर इसमें बदलाव करवा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह यूरोपीय कंपनी एयरबस से विमान नहीं खरीदेंगे लेकिन वे पुराने बोइंग विमान खरीदने पर विचार करेंगे। ट्रंप ने कहा, मैं एयरबस पर विचार नहीं करूंगा। मैं शायद किसी दूसरे देश से खरीद सकता हूं या किसी दूसरे देश से एक विमान मंगवा सकता हूं। बोइंग ने अत्याधुनिक बोइंग 747-8 पर आधारित नए एयर फोर्स वन विमान के उत्पादन का अनुबंध किया है लेकिन इसकी आपूर्ति में देरी हो रही है।

## भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए धन देने के बाइडन प्रशासन के फैसले पर ट्रंप ने फिर उठाया सवाल

**न्यूयार्क।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर जो बाइडन प्रशासन के मतदान प्रतिशत (वोटर टर्नआउट) बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर आवंटित करने के फैसले पर सवाल उठाया है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ए टिप्पणियां कीं। उन्होंने पहले भी इसी तरह की चिंताएं जताई थीं और इस तरह की वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने बुधवार को मतदान प्रतिशत बढ़ने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर प्रदान करने के उद्देश्य पर सवाल उठाया था। उनकी टिप्पणी एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डोज) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद आई है कि यूएसएड ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया है। एफआईआई शिखर सम्मेलन में, ट्रंप ने दर्शकों को कुछ उदाहरण दिए कि राष्ट्रपति बनने से पहले उनका पैसा कहां जा रहा था। उन्होंने कहा, ...और भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर। हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? वाह, मुझे लगता है कि वे (बाइडन प्रशासन) किसी और को निर्वाचित कराने की कोशिश कर रहे थे। हमें भारत सरकार को बताना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, भारत में चुनावों के लिए 2.1 करोड़ डॉलर और बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने के लिए 2.9 करोड़ डॉलर...एशिया अच्छा कर रहा है, हमें उन्हें पैसे देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ए तो सिर्फ कुछ फंडिंग हैं, सूची बहुत लंबी है। गत 16 फरवरी को, डोज ने उन मदों को सूचीबद्ध किया जिन पर अमेरिकी करदाताओं के डॉलर खर्च किए जाने वाले थे और सूची में भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर शामिल थे। डोज ने इन सभी मदों पर खर्च को रद्द कर दिया है।

## यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर में किसानों ने ट्रैक्टरों से यातायात अवरुद्ध किया, पुलिस के साथ झड़प

**तेसालोनिकी।** यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर तेसालोनिकी में बुधवार देर रात प्रदर्शनकारी किसानों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। इससे पहले उन्होंने उस स्थान के पास सुरक्षा घेरा तोडऩे का प्रयास किया, जहां प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस भाषण दे रहे थे। इस घटना में किसी के घायल होने या गिरफ्तारी की तत्काल कोई खबर नहीं है। मध्य यूनान से 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारी लगभग 50 ट्रैक्टरों के काफिले के साथ उत्तरी शहर पहुंचे। काले झंडे दिखाते हुए किसानों ने आपातकालीन लाइटें जलाकर रात को रैली के दौरान तेसालोनिकी में मुख्य सड़कों को अपने ट्रैक्टरों से अवरुद्ध किया। हाल के महीनों में पूरे यूरोप में किसानों ने इसी तरह की शिकायतें और प्रदर्शन किए हैं। यूनान में कृषि संघ कई हफ्तों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

## निमोनिया से पीड़ित पोप के स्वास्थ्य में सुधार

**रोम।** पोप फ्रांसिस निमोनिया से उबर रहे हैं और अस्पताल में छह दिन बाद बृहस्पतिवार सुबह उन्होंने अपने बिस्तर से उठ कर नाश्ता किया। वेटिकन ने यह जानकारी दी। वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी ने बुधवार देर रात पुष्टि करने के बाद बताया कि 88 वर्षीय पोप की खून की जांच से स्वास्थ्य में मामूली सुधार दिखा। वह 2023 में निमोनिया से गंभीर रूप से पीड़ित हुए थे और उन्हें सर्दियों में श्वसन संक्रमण का खतरा रहता है। फ्रांसिस से बुधवार को इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने मुलाकात की। उन्होंने 20 मिनट की मुलाकात के बाद बताया कि फ्रांसिस अच्छे मूड में थे और उन्होंने हमेशा की तरह हंसी- मजाक किया।

अवैध अप्रवासियों में से सिर्फ 171 लोगों ने अपने देशों में लौटने की दी सहमति

# अमेरिका से निर्वासित भारतीय पनामा पहुंचे

» पनामा सिटी, भाषा।

अमेरिका से निर्वासित एक भारतीय समूह के सुरक्षित रूप से पनामा पहुंचने की जानकारी पनामा सरकार ने भारत को दी है। पनामा में मौजूद भारतीय मिशन स्थानीय सरकार के साथ मिलकर निर्वासितों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है। पनामा, कोस्टा रिका और निकारागुआ में स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी साझा की। हालांकि, इसमें पनामा पहुंचे भारतीयों की संख्या का उल्लेख नहीं किया गया। यह समूह उन 299 अप्रवासी लोगों का हिस्सा है जिन्हें अमेरिकी सरकार द्वारा पनामा भेजा गया है। राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो की सहमति के बाद भारतीय निर्वासित तीन उड़ानों से पनामा पहुंचे थे।

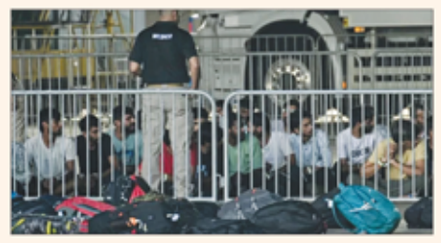

मुलिनो ने इस बात पर सहमति जताई थी कि निर्वासितों के लिए पनामा पुल की भूमिका निभाएगा। ट्रंप प्रशासन ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले लाखों लोगों को निर्वासित करने की योजना बनाई है। पनामा, निकारागुआ और कोस्टा रिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, पनामा के अधिकारियों ने हमें सूचित किया है कि अमेरिका से भारतीय नागरिकों का एक समूह पनामा पहुंचा है। पोस्ट में कहा गया, वे सुरक्षित हैं और सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त एक होटल में ठहराए गए हैं। हम पनामा सरकार के साथ मिलकर उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। इससे पहले, अमेरिका से तीन जत्थों में कुल 332 भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। ट्रंप प्रशासन की अवैध अप्रवासियों पर बढ़ती कार्रवाई के बीच यह निर्वासन हुआ है। पनामा आए कुल 299 अवैध अप्रवासियों में से सिर्फ 171 लोगों ने अपने मूल देशों में लौटने की सहमति दी है। कोस्टा रिका दूसरा देश है जो अमेरिका में अवैध अप्रवासियों को वापस लाने के लिए पुल के रूप में काम करने के लिए सहमत हुआ है।

## स्वदेश लौटने से इनकार करने वाले अमेरिका से निर्वासित 98 लोगों को डेरियन शिविर भेजा

**पनामा सिटी।** पनामा ने अमेरिका द्वारा निर्वासित किए गए विभिन्न देशों के उन 98 लोगों को बुधवार को अपने डेरियन प्रांत के एक शिविर में स्थानांतरित कर दिया जिन्होंने अपने देश लौटने से इनकार कर दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम से परिचित पनामा के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि डेरियन भेजे गए प्रवासियों ने अपने देश वापस जाने से इनकार कर दिया है और उन्हें तब तक यहीं रखा जाएगा जब तक कि उन्हें लेने के लिए कोई तीसरा देश आगे नहीं आता। ये 98 लोग अमेरिका सरकार द्वारा पनामा भेजे गए 299 प्रवासियों के एक बड़े समूह का हिस्सा हैं। अन्य लोग पनामा सिटी के एक होटल में पुलिस की निगरानी में है और उन्हें उनके देश वापस भेजने की व्यवस्था की जा रही है। पनामा सरकार ने इस बात से इनकार किया है कि इन लोगों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन वे पुलिस की निगरानी में हैं और उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। पनामा की राष्ट्रीय आव्रजन सेवा ने बुधवार को पहले घोषणा की थी कि एक चीनी महिला होटल से भाग निकली थी, लेकिन बाद में अधिकारियों ने बताया कि उसे पुनः पकड़ लिया गया है। पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक अब्रेगो ने मंगलवार को कहा था कि पनामा और अमेरिका के बीच प्रवास समझौते के तहत प्रवासियों को चिकित्सकीय देखभाल और भोजन मुहैया कराया जा रहा है।

# दिवालियापन संबंधी आदेश के खिलाफ विजय माल्या की याचिका लंदन उच्च न्यायालय में लौटी

» लंदन, भाषा।

कारोबारी विजय माल्या पर तीन साल पहले इंग्लैंड के उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए दिवालियापन संबंधी आदेश को पलटने के प्रयास के तहत दायर याचिका इस सप्ताह लंदन में अपीलीय अदालत में सुनवाई के लिए वापस आई। लंदन के चांसरी डिवीजन में बुधवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एंथनी मान ने माल्या की स्थगन याचिका के खिलाफ फैसला सुनाया। माल्या अदालत में उपस्थित नहीं हुए और उनका प्रतिनिधित्व जैवाला एंड कंपनी के वकीलों कार्तिक मित्तल और मार्क वाटसन-गैंडी ने किया था। इसके बाद न्यायाधीश ने 69 वर्षीय व्यवसायी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई की। माल्या भारत में धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में वांछित है।

इस सप्ताह की अपीलें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले भारतीय बैंकों के एक संघ से संबंधित हैं, जो अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लगभग 1.05 अरब पाउंड के अनुमानित ऋण की अदायगी की मांग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति मान ने कहा, भारतीय कार्यवाही के परिणाम आने तक मामले को स्थगित करने का मुझे कोई उचित कारण नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि अपील पर काफी समय पहले ही बर्बाद हो चुका है। उन्होंने मामले में नए साक्ष्य पेश करने के माल्या के प्रयास को भी अप्रासंगिक बताकर खारिज कर दिया, जिसमें पिछले वर्ष दिसंबर में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में यह कहा जाना भी शामिल था कि माल्या की संपत्ति से संबंधित 14,131 करोड़ रुपए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को वापस कर दिए गए हैं। न्यायमूर्ति मान मुख्य दिवाला एवं कंपनी न्यायालय (आईसीसी) के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स के निर्णय से संबंधित अपीलों पर सुनवाई कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

## इजराइल में भारतीय फिल्म महोत्सव शुरू हुआ

» नेतन्या (इजराइल), भाषा।

भारत को वैश्विक फिल्म निर्माण केंद्र बनाने के सरकारी प्रयासों और वेव्स 2025 की तैयारी के बीच इजराइल में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत हुई। फिल्म निर्माता किरण राव की फीचर लापता लेडीज की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुए इस फिल्म महोत्सव में दंगल , जिंदगी ना मिलेगी दोबारा , मिमी , इंग्लिश विंग्लिश और 777 चार्ली जैसी पांच अन्य फिल्मों को भी दिखाया जाएगा। इस महोत्सव का समापन आठ मार्च को होगा। फिल्म लापता लेडीज , 2025 के अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी और बुधवार को स्क्रीनिंग के बाद इजराइल में इस फिल्म की जमकर सराहना हुई। स्क्रीनिंग के बाद इजराइल के वरिष्ठ पत्रकार लेव एरन ने बताया, फिल्म देखकर मैं अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख सका, इस फिल्म ने मुझे पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया।

फिल्म महोत्सव का आयोजन भारतीय दूतावास द्वारा मूवीलैंड, नेतन्या के सहयोग से किया जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जे.पी. सिंह ने दोनों देशों को एकजुट करने वाली समानताओं को तलाशने का अवसर प्रदान करने में भारतीय फिल्म महोत्सव की भूमिका के बारे में बताया। सिंह ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म महोत्सव न सिर्फ यहां दर्शकों का मनोरंजन करेगा, बल्कि दोनों देशों के फिल्म उद्योगों के बीच आपसी सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इजराइल के निर्माताओं से भारत के साथ सह-निर्माण के अवसर तलाशने का आह्वान करते हुए, सिंह ने मीडिया एवं मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र के हितधारकों को एक से चार मई तक मुंबई में होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

# यूक्रेन युद्ध पर रूस के साथ ऐतिहासिक वार्ता के साथ रुबियो की यूएई यात्रा संपन्न

» अबु धाबी, भाषा।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेता से मुलाकात के साथ अपनी विदेश यात्रा संपन्न की। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की। रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद अमेरिका और रूस के बीच यह पहली उच्च स्तरीय वार्ता थी। रुबियो की अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका भी गाजा पट्टी में इजराइल और उग्रवादी समूह हमास के बीच अस्थिर युद्धविराम को जारी रखने का प्रयास कर रहा है। यूएई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2020 में कूटनीतिक रूप से इजराइल को मान्यता दी थी। रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली में मध्यस्थता करने में भी उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को शेख मोहम्मद से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक बयान में कहा, रुबियो ने बैठक में यूएई को रिश्ते को मजबूत बनाने और इसे बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें मजबूत आर्थिक संबंध, रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता में आपसी हित शामिल हैं। ब्रूस ने कहा कि बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, गाजा पट्टी, सीरिया, लेबनान और लाल सागर पर चर्चा हुई, जो गाजा युद्ध विराम तक यमन के हूती विद्रोहियों के हमले का केंद्र रहा था। यूएई के बयान में रुबियो, शेख मोहम्मद और यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के बीच बैठक के दौरान गाजा पट्टी और फलस्तीनियों पर टिप्पणियों के संदर्भ में ध्यान केंद्रित किया गया। नेताओं के बीच ये वार्ता लगभग 30 मिनट तक चली। सरकारी डब्ल्यूएएम समाचार एजेंसी ने बताया कि शेख मोहम्मद ने रुबियो से कहा था कि यूएई गाजा से फलस्तीनी लोगों को विस्थापित करने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध करता है। ट्रंप ने कहा है कि वह गाजा को अपने कब्जे में लेकर वहां पुनर्निर्माण करना चाहते हैं और वहां की 20 लाख से अधिक फलस्तीनियों की आबादी को स्थाई रूप से हटाना चाहते हैं।

## यूक्रेन में युद्ध को सुलझाने में अमेरिका अपनी भूमिका से पीछे हटा : जेलेंस्की के सलाहकार

**कीव।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के एक सलाहकार ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिका ने अपनी स्थिति कमजोर कर ली है और यूक्रेन पर किसी भी संभावित शांति वार्ता से पहले रूस को कूटनीतिक नेतृत्व सौंप दिया है। जेलेंस्की के सलाहकार मिखाइलो पोडोल्यक ने सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई बैठक के बाद यह दावा किया। पोडोल्यक की यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि युद्ध के लिए कीव जिम्मेदार है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बगैर ही अमेरिका और रूस के बीच वार्ता आयोजित की गई। पोडोल्याक ने कहा, ऐसे देश को प्रभुत्व क्यों सौंपा जाना चाहिए जो एक हमलावर है, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करता है और यूक्रेन के खिलाफ हमलों का जिम्मेदार है? उन्होंने कहा, हम इस रणनीति को अब भी नहीं समझ पाए हैं। पोडोल्यक ने कहा कि यूक्रेन को न तो आगे होने वाली वार्ताओं की जानकारी दी गई और न ही इसके निष्कर्ष के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा, अमेरिकी प्रशासन की ताकत के बल पर शांति की अवधारणा को बढ़ावा देने की बात करना, मुझे विचित्र लगता है। ट्रंप ने बुधवार को रूस के बयानों को दोहराते हुए दावा किया कि जेलेंस्की को चुनावों का सामना करना चाहिए, उनका कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था जबकि यूक्रेन ने अपने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध के दौरान चुनाव नहीं कराए जा सकते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर फिर से पोस्ट करके यह दावा किया कि जेलेंस्की बिना चुनावों के तानाशाह हैं।

## हमास ने चार इजराइली बंधकों के शव सौंपे

» खान यूनिस (गाजा पट्टी), भाषा।

हमास ने चार इजराइली बंधकों के शव बृहस्पतिवार को सौंप दिए। इन बंधकों में एक महिला और उसके दो बच्चे शामिल हैं। शोरी बिबास और उनके दो बच्चे एरियल और कफीर के साथ-साथ 83 वर्षीय ओदेद लिफशिट्ज के शव सौंपे गए हैं। कफीर को नौ महीने की उम्र में बंधक बनाया गया था। वह सबसे छोटे बंदी थे। हमास का कहना है कि चारों की मौत इजराइली हवाई हमलों में हुई थी। उग्रवादियों ने गाजा पट्टी में एक मंच पर चार काले ताबूत प्रदर्शित किए। ताबूत के चारों ओर बैनर लगाए गए थे।

इनमें से एक बड़े बैनर पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भूत के रूप में दिखाया गया था। लड़कों ने ताबूतों को रेड क्रॉस के वाहनों तक पहुंचाया जिसके बाद रेड क्रॉस के कर्मियों ने शवों को सफेद चादरों से लपेटकर वाहनों में रखा। इसके बाद रेड क्रॉस का काफिला इजराइल की ओर रवाना हो गया। इजराइली अधिकारियों द्वारा डीएनए परीक्षण के माध्यम से शवों की औपचारिक पहचान की जाएगी। परीक्षण पूरा होने में लगभग दो दिन लग सकते हैं। पहचान प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात ही परिवारों को अंतिम सूचना दी जाएगी।

रुबियो का फैसला दक्षिण अफ्रीका में जी20 की बैठक का पूर्ण बहिष्कार नहीं

# अमेरिका के साथ संबंधों में तनाव के बीच दक्षिण अफ्रीका में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक बृहस्पतिवार को शुरू हो रही है लेकिन दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव के कारण अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इसमें शामिल नहीं होंगे। इस बैठक में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और चीनी विदेश मंत्री वांग ई सहित अन्य राजनयिकों के शामिल होने की उम्मीद है, जबकि अमेरिका का प्रतिनिधित्व दक्षिण अफ्रीका में कार्यवाहक राजदूत डाना ब्राउन करेंगे। यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र और अफ्रीकी संघ जो जी-20 का हिस्सा है, भी इसमें शामिल होंगे। रुबियो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के बाद बैठक से किनारा कर लिया जिसके तहत दक्षिण अफ्रीका को विदेशी सहायता रोक दी गई थी।

व्हाइट हाउस ने कहा था कि देश के श्वेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव के कारण ऐसा किया गया। अमेरिका अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मामले से भी नाखुश है। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा है कि रुबियो का फैसला दक्षिण अफ्रीका में जी20 की बैठक का पूर्ण बहिष्कार नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस सप्ताह जोहानिसबर्ग में किसी न किसी रूप में प्रतिनिधित्व करेगा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने भी पुष्टि की है कि वह अगले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में होने वाली जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक में भाग नहीं लेंगे। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा सभा का उद्घाटन करने की उम्मीद है। वह एकजुटता, समानता और स्थिरता विषय पर सभा को संबोधित करेंगे, लेकिन रुबियो ने इसे विविधता, समानता और समावेशी ढांचे के रूप में वर्णित किया है जिसका नया ट्रंप प्रशासन मुखर रूप से विरोध करता है। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ष अपनी जी20 अध्यक्षता के तहत 130 से अधिक कार्य समूह बैठकों और 23 मंत्रिस्तरीय बैठकों की मेजबानी करेगा, जो पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई थी। दक्षिण अफ्रीका के कार्यकाल के बाद 2026 में अमेरिका द्वारा जी20 अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

## विदेश मंत्री जयशंकर ने जोहानिसबर्ग में सिंगापुर व ब्राजील के अपने समकक्षों से मुलाकात की

**जोहानिसबर्ग।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में सिंगापुर और ब्राजील के अपने समकक्षों से मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने दोनों नेताओं से वैश्विक घटनाक्रमों के अलावा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं। उन्होंने बैठक से इतर सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन और ब्राजील के विदेश मंत्री माऔ विएरा से मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ हमेशा अच्छी बातचीत होती है, इस बार यह जोहानिसबर्ग में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर हुई। विश्व की स्थिति और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

# चीन की सेना ने परमाणु, जैविक, रासायनिक सैन्य अभ्यास किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन की सेना ने यूएवी, रोबोट कुत्तों और विस्फोटक आयुध निपटान रोबोट का उपयोग करके परमाणु, जैविक और रसायनिक (एनबीसी) अभ्यास किया है। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की 73वीं रुरुप आर्मी से जुड़ी एक ब्रिगेड ने हाल में अपने व्यापक प्रशिक्षण मैदान में परमाणु, जैविक और रसायनिक (एनबीसी) रक्षा और आपातकालीन बचाव अभ्यास किया था। सरकार के स्वामित्व वाले सीसीटीवी ने बृहस्पतिवार को अभ्यास के स्थान का खुलासा किए बिना बताया कि अभ्यास में मानव रहित हवाई यान (यूएवी), रोबोट कुत्तों और विस्फोटक आयुध निपटान रोबोट की तैनाती की गई थी।

सरकारी ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिगेड ने प्रौद्योगिकी और नेटवर्क प्रणालियों को एकीकृत करने वाली प्रशिक्षण विधियों को अंजाम दिया। ब्रिगेड के सदस्य क्वी हुआली ने आधिकारिक मीडिया को बताया, चाहे वह सिमुलेशन प्रशिक्षण में उन्नति हो या मानव रहित उपकरणों की व्यापक तैनाती, दोनों ही हमारे लिए नए प्रतिस्पर्धी रास्ते बनाते हैं। उन्होंने कहा, सिमुलेशन प्रशिक्षण विभिन्न युद्ध तत्वों के बीच समन्वय को बढ़ाता है, और हमने मानवयुक्त और मानवरहित रणनीति के एकीकरण में सुधार और अनुकूलन किया है और फिर सत्यापन के लिए अभ्यास में सर्वोत्तम युद्ध रणनीतियों को लागू किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,